

मोपाल

14 अगस्त 2025

गुरुवार

आज का मौसम

 29 अधिकतम

 22 न्यूनतम

# डोनाल्ड ट्रम्प ने दुनिया में सबको नकारा, पाक और बांग्लादेश को गले लगाया

**इं** झलाए ट्रम्प के फैसले का यही सबब है कि वे अपने ही मकड़जाल में उलझ चुके हैं जहां तक ट्रम्प की दूसरी पारी की बात करें तो उनके कदमों और रोज बदलते फैसलों ने दुनिया के सामने उनके आर्थिक उदारीकरण की कलाई खोल दी। डब्ल्युटीओ संधि को ताक में रखकर जिस तरह की मुहिम छेड़ी गई है वह खुद अमेरिका और दुनिया को कहां ले जाएगी, इसका अंदाजा लगाना अभी मुश्किल है। कई देश उसकी टैरिफ ट्रिंक में फंस गए तो कई झुक गए। लेकिन परेशान सब हैं। सवाल यही है कि 'ऐसा कोई सगा नहीं जिसको हमने उगा नहीं ' के सूत्र वाक्य पर चलने वाले पाकिस्तान की असलियत को जानते हुए भी वह पाक की करतूतों पर क्यों

## मोदी ने ट्रम्प की चालों को ढेर सबेर समझ ही लिया

नरेंद्र मोदी जैसे नेता ने 2014 में देश की कमान संभाली जो, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की हार्डकोर पृष्ठभूमि से आए थे। इसी के चलते संघ के ही आनुषांगिक संगठन स्वदेशी जागरण मंच का प्रभाव उन पर था। वह उनके काम में तब दिखा भी जब उन्होंने इस वैश्विक संधि के चलते आर्थिक उदारीकरण को सीमित करने की कोशिश की और मेक इन इंडिया का फलसफा अपनाने की कवायद की। कांग्रेस और मोदी राज के पूंजीवाद में इतना ही अंतर आया कि मोदी ने भारतीय मल्टी नेशनल कंपनियों को ज्यादा तरजीह दी। राहुल गांधी के अडान्गी अबानी को आगे बढ़ाने के निरंतर विरोध के पीछे छुपा राज भी यही है। कांग्रेस की सरकार बनती तो देश के सत्ता प्रतिष्ठान पर भारतीय मल्टीनेशनल के बजाए विदेशी मल्टी नेशनल कंपनियों का जोर होता। यानि पूंजीवादी दौर में भाजपा और कांग्रेस का अंतर देशी और विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियां ही बची है। मोदी ने, जो कभी ट्रम्प के सबसे अच्छे दोस्त कहे जाते थे, उनकी चालों को ढेर सबेर समझ ही लिया। इसीलिए वे मेक इन इंडिया पर डटे। ट्रंप की दूसरी पारी के बदले रूप को भांपकर स्वदेशी माल खरीदने की जो मुहिम छेड़ी, उससे ट्रम्प तिलमिला उठे हैं। स्वदेशी यूपीआई का फैलाव और भारत के बाहर 16 देशों में इसको अपनाना। कई अन्य देशों की रूचि दिखाता अमेरिकी मुद्रा डॉलर को खतरा पैदा कर रहा है। इसी के चलते ट्रम्प की झुंझलाहट भारत को सबक सिखाने के फेर में पाकिस्तान के करीब ले आई। वे भूल गए कि अमेरिका के नंबर वन दुश्मन और दुनिया के सबसे बड़े आतंकी आयोगा बिन लादेन को बरसों पनाह देकर पाकिस्तान में अमेरिका से छुपाए रखा। ट्रंप यह भी भूल बैठे कि जिस पाकिस्तान को उन्होंने पनाह दी है वह चीन के हाथों पिछले दस सालों से गिरवी है।

तकनीकी क्षेत्र में भी मोदी को भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काफी आगे बढ़ाने की जरूरत है। अमेरिका जिस टेक्नालॉजी के दम पर दुनिया पर राज करता है, उसकी निर्भरता को कम करने की रणनीति पर काम शुरू हो चुका है। पंजाब, उड़ीसा और आंध्रप्रदेश में चार जगहों पर सेमी कंडक्टर खुद बनाने के लिए रकम का इंतजाम मोदी सरकार ने किया है। इसके लिए उसने 4 हजार 594 करोड़ के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 76 हजार करोड़ का निवेश किया जाएगा। भुवनेश्वर में सिलिकॉन कारबाइड सेमीकंडक्टर का 2066 करोड़ की लागत से प्लांट स्थापित किया जाएगा। इसकी क्षमता हर साल 9.6 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप बनाने की होगी। यह काम सिकरेसम प्रायवेट लिमिटेड करेगी। इससे बनी चिप को काफी मजबूत माना जाता है। यह चिप उच्च तापमान में भी काम कर सकती है। इसका इस्तेमाल मिसाइल, उपग्रह, दूरसंचार टॉवर, राकेट और रेल इंजन में किया जाता है। उड़ीसा में ही एक 3डी ग्लास संयंत्र भी स्थापित होगा। इस पर 1943 करोड़ की लागत आएगी। हेटरोजानस इंडीजीनस इंटीग्रेशन पैकेजिंग साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के इस प्लांट में इंटेल और लॉकहीड मार्केटिंग जैसी अमेरिकी कंपनी का निवेश होगा। इसकी उत्पादन क्षमता 5 करोड़ यूनिट होगी। आंध्र प्रदेश में जिस चिप पैकेजिंग प्लांट को मंजूरी दी गई है, उसमें एडवांस सिस्टम इन पैकेजिंग टेक्नालॉजी प्राइवेट लिमिटेड 468 करोड़ का निवेश करेगी। इसकी वार्षिक क्षमता भी 9.6 करोड़ की होगी। कैबिनेट ने पंजाब में 117 करोड़ रूपए के निवेश वाली सेमीकंडक्टर परियोजना को भी मंजूरी दी है। इसकी स्थापना इलेक्ट्रॉनिक पुर्जें बनाने वाली कंपनी सीडीआईएल करेगी। इसमें सालाना 15.8 करोड़ चिपस का निर्माण किया जा सकेगा। आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव के मुताबिक मोहाली के बच्चों ने 20 चिप डिजाइन किए थे। इन पर एचसीएल मोहाली ने स्वदेशी चिप का निर्माण शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसे बहुत कम देश हैं जो कालेज, यूनिवर्सिटी में पढ़ते चिप डिजाइन करने लगते हैं। भारत के 278 कॉलेजों में स्वदेशी चिप डिजाइन की सुविधा उपलब्ध है। भारत में मोबाइल निर्माण की क्षमता मोदी कार्यकाल में छह गुना बढ़ी है। इससे हर साल 12 करोड़ मोबाइल बन रहे हैं। बीते दस सालों में इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट आठ गुना बढ़ा है। यह 3 लाख 30 हजार करोड़ का है। मोबाइल निर्यात में 28 गुना बढ़ोत्तरी हुई है जो 5.5 लाख करोड़ का हो गया है। वैष्णव के मुताबिक सिंगापूर 2 से 4 सितंबर के बीच सेमीकॉन इंडिया 2025 की मेजबानी करेगा। यानि अमेरिका से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा। इस सेमीनार में मलेशिया , सिंगापूर, जापान और कोरिया साझेदार के बतौर शिरकत करेंगे। अमेरिका में निर्यात से संभावित नुकसान से भरपाई के लिए यह दिलासा देने के लिए ठीक है। लेकिन भारत सरकार को यह अंदाजा भी लगाना होगा कि नौकरियों में भारतीय टैलेंट को नकारकर अमेरिकियों को बढ़ावा देने के नाम पर वह उन्हें वापस भेजता है तो बैकअप प्लान के तहत ऐसी प्रतिभाओं को अच्छे पैकेज के साथ सरकारी और निजी कंपनियों में उनको काम मुहैया कराना होगा। इससे जो भारतीय प्रतिभा अमेरिका की इकानामी को संवार रही थी वह भारतीय अर्थ व्यवस्था में चार चांद लगा सकती है।

## यलो अलर्ट : इंदौर का सूखा खत्म होने के आसार

मप्र के मालवा-निमाड़ के प्रमुख जिले इंदौर और उज्जैन का सूखा खत्म होने के आसार बन गये हैं यहां भारी बारिश का सिस्टम सक्रिय हो गया है। अगले 3 दिन तक अति भारी और भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किय गया है। इन दोनों संभागों के 15 में से 8 जिलों में 14 इंच से कम पानी गिरा है। दूसरी ओर, गुना, निवाड़ी, मंडला और टीकमगढ़ में 45 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। सबसे कम बारिश के मामले में इंदौर जिला पहले नंबर पर है।

## दस घंटे से ज्यादा उड़या विमान, डीजीसीए ने दी चेतावनी

**नई दिल्ली।** डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने पायलटों के ड्यूटी ऑवर्स उल्लंघन को लेकर एअर इंडिया को चेतावनी जारी की है। यह मामला दो इंटरनेशनल फ्लाइट से जुड़ा है। जिसमें बेंगलुरु और लंदन के बीच चलने वाली दो फ्लाइट्स में पायलट ने दस घंटे से ज्यादा विमान उड़या, जो नियमों के खिलाफ है। डीजीसीए ने इसमें पहले एयरलाइन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

सीएम बोले - देशभक्ति की भावना सभी के मन में हिलोरे ले रही है...

# आजादी का जश्न : तिरंगामय जल-नभ, सड़कों पर जयघोष

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**  
मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज सुबह 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत बड़े तालाब के बोट क्लब पर जल तिरंगा यात्रा की हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की तथा स्वयं भी यात्रा में शामिल होने नाव पर सवार हुए। देशभक्ति, एकता और समर्पण की भावना को और सशक्त करते इस अनोखे व रोमांचक आयोजन में बड़ी संख्या में वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ी, विद्यार्थी और राजधानीवासी शामिल हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े। एशियाई और ओलंपिक गेम्स में उपयोग में आने वाली नावों में सवार वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ी अनुशासन और गरिमा के साथ तिरंगा लेकर बड़े तालाब में जब आगे तो यहां नभ-जल और धरा तिरंगामय नजर आने लगा।

उधर राजधानी की सबसे लंबी तिरंगा यात्रा आज कोलार क्षेत्र से निकली। करीब 32 किलोमीटर लंबी यह यात्रा कोलार रोड स्थित मदर टेरेसा स्कूल के सामने से शुरू होकर संत हिरदाराम नगर ( बैरागढ़ ) पहुंचकर पूरी होगी। सीएम मोहन यादव भी यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर से विश्व, भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम से परिचित हुआ है। आजादी के पर्व पर देशभक्ति की भावना सभी के मन में हिलोरे ले रही है। हर घर तिरंगा - घर-घर तिरंगा और तिरंगा यात्राओं में उमड़ रहा जन सैलाब इसका प्रतीक है। विधायक शर्मा द्वारा निकाली जा रही तिरंगा यात्रा को उन्होंने ऐतिहासिक बताया। उनके साथ भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद रहे। इस यात्रा के चलते पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था के लिहाज से कई रूट डायवर्ट किये हैं। यात्रा को लेकर बड़ी संख्या में लोग सुबह से जमा होने लगे थे। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की संस्था 'कर्मश्री' का यह सालाना आयोजन है। इस बार यह यात्रा 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत ऑपरेशन सिंदूर के समर्पित है। विधायक शर्मा ने बताया कि यह यात्रा कोलार रोड, रोशनपुरा, वीआईपी रोड, लालघाटी से होते हुए बैरागढ़ पहुंचेगी। इस दौरान पूरा क्षेत्र व आसपास का माहौल राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। तिरंगा धामे और भारत माता के जयघोष लगाते हुए यात्रा आगे बढ़ती रही। इसमें हजारों छोटे-बड़े वाहन शामिल होंगे। यात्रा मार्ग को भी आकर्षक तरीके से सजाया गया। करीब 500 जगहों पर स्वागत किया जाएगा।

## डायल 112 की शुरुआत, सीएम ने किया फ्लैग ऑफ

मध्यप्रदेश पुलिस की नई आपातकालीन सेवा डायल 112 की शुरुआत आज मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की। इसके तहत अब पुलिस ( डायल 100 ), स्वास्थ्य, एंबुलेंस ( 108 ), अग्निशमन ( 101 ), महिला हेल्पलाइन ( 1090 ), साइबर क्राइम ( 1930 ), रेल मदद ( 139 ), हाईवे एक्सिडेंट रिसर्पॉन्स ( 1099 ), प्राकृतिक आपदा ( 1079 ) और महिला एवं वाइल्ड हेल्पलाइन ( 181, 1098 ) जैसी –सभी सेवाएं एक ही नंबर 112 पर उपलब्ध होंगी। बदलते तकनीकी परिदृश्य और सेवा गुणवत्ता के लिए डायल-112 को डिजाइन किया गया है।

# मुलाकात से पहले ट्रंप ने पुतिन को गंभीर नतीजों की धमकी दी

**वाशिंगटन, एजेंसी**  
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से प्रस्तावित मुलाकात को लेकर यूक्रेन से जंग रोकने की फिर चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर पुतिन कल शुक्रवार को होने वाली बातचीत के बाद भी जंग खत्म करने पर राजी नहीं होते हैं तो उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। ट्रम्प और पुतिन कल 15 अगस्त को अलास्का में मिलने वाले

हैं। इसका मकसद यूक्रेन में साढ़े तीन साल से चल रही जंग को खत्म करना है। ट्रम्प और पुतिन पहली बार अमेरिका की जमीन पर मिलेंगे। रूस ने पहले पुतिन और ट्रम्प की मुलाकात के लिए यूएई का सुझाव दिया था। हालांकि बाद में ट्रम्प ने बैठक के लिए अलास्का को चुना। इससे पहले ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की और यूरोपीय नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की।

# शिल्पा-राज पर 60 करोड़ रूपए की ठगी का आरोप

एक कारोबारी ने अब एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके बिजनेसमैन पति राज कुंद्रा पर 60 करोड़ रूपए की ठगी का आरोप लगाया है। मामला उनकी बंद हो चुकी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से जुड़ा है। शिकायत करने वाले दीपक कोठारी का कहना है कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने बिजनेस बढ़ाने के लिए कपल को कुल 60.48 करोड़ रूपए दिए, लेकिन यह रकम निजी खर्चों में लगा दी गई। कोठारी के मुताबिक, उनकी मुलाकात 2015 में एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और कुंद्रा से हुई थी। उस समय दोनों बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे।

## मेट्रो एंकर

शेल्टर होम में भेजने का 11 अगस्त को दिया था आदेश

# आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई पूरी, सुप्रीम फैसला सुरक्षित

**नईदिल्ली, एजेंसी**  
आवारा कुत्तों से जुड़े मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई पूरी हो गई। इस केस को सुन रही जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनबी अजारिया की स्पेशल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि नसबंदी से रेबीज नहीं रुकता। आवारा कुत्तों के चलते बच्चों को खुले में खेलने नहीं भेज सकते, मगर ये मेरा रुख है, सरकार का नहीं। कोई हल निकालना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले दो जजों को बेंच में 11 अगस्त को फैसला सुनाया था, जिसका बड़े स्तर पर विरोध हो रहा है। चीफ जस्टिस गवई ने कांफ्रेंस ऑफ ह्यूमन राइट्स ( इंडिया ) एनजीओ की याचिका पर कहा था कि वह खुद इस मामले पर गौर करेंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त को डॉंग बाइट्स और रेबीज के मामलों को देखते हुए सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में दिल्ली-एनसीआर के आवासीय क्षेत्रों से हटाकर शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था। कोर्ट ने इस काम में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

## इतने सारे कुत्ते कहां जाएंगे

कोर्ट के सामने सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि कोई भी कुत्तों को मारने के लिए नहीं कर रहा, बस उन्हें इंसानी आबादी से अलग रखने को कह रहे हैं। नियमों से समाधान नहीं होगा। अदालत को हस्तक्षेप करना होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल बोले कि निर्देश में कहा गया है कि कुत्तों को नसबंदी के बाद छोड़ा नहीं जाएगा, तो फिर वे कहां जाएंगे? जब एक बड़ी संख्या में कुत्तों को एक साथ शेल्टर में रखा जाएगा तो वे एक दूसरे पर हमला करेंगे, इससे इंसान प्रभावित होंगे। सिबल ने कोर्ट को बताया कि कुत्तों को सड़कों से उठाने के फैसले पर फिलहाल रोक लगनी चाहिए। कोर्ट को बताया गया कि यह फैसला गुरुवार शाम को अपलोड किया गया लेकिन इससे पहले ही सड़कों से कुत्ते उठाने शुरू कर दिए गए।



## बड़ी राहत : उम्रदराज वाहनों से बैन हटा, कबाड़ के दाम बेचने वालों ने सिर पीटा

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहन मालिकों को एक बड़ी राहत देते हुए एंड-ऑफ-लाइफ व्हीकल्स यानी पंद्रह साल से ज्यादा पुराने वाहनों के बैन पर फिलहाल रोक लगाकर वाहन मालिकों को एक बड़ी राहत दी है लेकिन जिन्होंने बैन लगने के चलते जल्दबाजी में अपने वाहन कबाड़ के दाम पर बेच दिए थे या स्कूप करा दिये थे। कोर्ट ने सुनवाई के बाद कमीशन फॉर एयर कालिटी मैनेजमेंट से चार हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। उल्लेखनीय है कि जुलाई में दिल्ली सरकार ने दस साल से पुराने डीजल वाहन और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों को पथूल न देने का ऐलान किया था तो दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहन मालिकों के बीच हड़कम्प मच गया था। शुरुआत में इसे केवल दिल्ली में लागू किया गया और आने वाले कुछ महीनों में इसे दिल्ली के आसपास नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी लागू करने की तैयारी थी। कमीशन फॉर एयर कालिटी मैनेजमेंट के अनुसार, अकेले दिल्ली में लगभग 62 लाख ऐसे वाहन हैं जो एंड ऑफ लाइफ व्हीकल कैटेगरी में आते हैं। वहीं दिल्ली के आसपास यानी एनसीआर में लगभग 44 लाख पुराने वाहन हैं जो अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं। ग्रीन ट्रिब्यूनल ने 2015 में पूरे एनसीआर में ऐसे पुराने वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया था।



चार संगठन लामबंद, 95 फीसद पीड़ितों की शिकायत एक जैसी

# घातक चोटों को बताया मामूली, गैस पीड़ितों को बंधी मुआवजे की नई उम्मीद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

गैस त्रासदी का पीड़ितों को अब 22 सितंबर से नई उम्मीद बनी है। इस दिन हाईकोर्ट में मुआवजे को लेकर सुनवाई तय की गई है। यह संघर्ष उन चोटों व दर्द का है जो गैस त्रासदी के दौरान आई थीं, इन्हें चोटों को गलत रूप से वर्गीकृत करने के खिलाफ गैस पीड़ितों के संगठन लड़ रहे हैं। इनके मुआवजे को लेकर हाईकोर्ट में 22 सितंबर को सुनवाई होगी। गैस संगठनों ने हाईकोर्ट में यह याचिका लगाई है। इसी पर केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस भेजे गए हैं।

भोपाल में गैस पीड़ितों के लिए संघर्ष कर रहे चार संगठन के पदाधिकारियों ने कहा है कि हाईकोर्ट में उनकी जनहित याचिका उन पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा दिलाने में सफल होगी, जिनकी चोटों को पहले गलत वर्गीकृत किया गया था। राज्य और केंद्र सरकार को हाईकोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 22 सितंबर तक जवाब देने को कहा है। याचिकाकर्ता संगठन भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा की सदस्य नसरीन खान का कहना है कि हमारी याचिका में हमने आधिकारिक जानकारी दी है।

जिससे पता चला है कि कैसर के लिए अनुग्रह राशि प्राप्त करने वाले 90 प्रतिशत पीड़ितों को आपदा के कारण केवल मामूली या अस्थायी चोट लगने के रूप में वर्गीकृत किया गया था। क्रोनिक किडनी रोगों के लिए अनुग्रह राशि प्राप्त करने वाले 95 फीसद पीड़ितों की चोटों के संबंध में भी यही किया गया। लिहाजा इन संगठनों ने अनुरोध किया है कि वह भारत सरकार को निर्देश दें कि ऐसे पीड़ितों की चोटों को स्थायी और अत्यंत गंभीर माने और उन्हें 5 लाख रुपए का मुआवजा दें। गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी कहती हैं कि कैसर और घातक किडनी रोगों से पीड़ित लोगों के साथ हुआ अन्याय, मुआवजे के मामले में भोपाल गैस पीड़ितों के साथ हुए अन्याय का एक स्पष्ट और सरल उदाहरण है।

बताया जाता है कि यूनियन कार्बाइड के अपने दस्तावेज में कहा गया है कि भोपाल में रिसी गैस, मिथाइल आइसोसाइनेट के संपर्क में आने से स्थायी चोटें आती हैं। फिर भी भोपाल गैस पीड़ितों में से 95 फीसद को अस्थायी रूप से घायल के रूप में वर्गीकृत

किया गया है। भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेशनभोगी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने बताया, हम जागरूकता बढ़ाने और अन्य पीड़ितों के मामले में हृदय से वजह से पहुंची चोटों के इसी तरह के गलत वर्गीकरण को लेकर एक अभियान शुरू कर रहे हैं। उनका कहना है कि गैस कांड में अन्याय का पैमाना इतना बड़ा है कि जब तक पीड़ितों के समुदायों के स्वयंसेवक इस कार्य के लिए आगे नहीं आते, तब तक एक मजबूत मामला पेश करना संभव नहीं होगा।

## वेबसाइट व एप बनेगा, प्रशिक्षण मिलेगा

भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा ने युवाओं से इस अभियान में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि आज हमें आदर्शवादी युवाओं की जरूरत है, जो गैस त्रासदी से हुई चोटों के गलत वर्गीकरण के ठोस सबूत इकट्ठा कर सकें। हम जल्द ही इस गतिविधि के लिए एक वेबसाइट और एक ऐप विकसित करेंगे और समुदाय के स्वयंसेवकों को मुफ्त प्रशिक्षण देंगे।

## आए दिन लगता है जाम



भोपाल के डीआईजी बंगले रोड पर जाम, यह अमूमन रोज के नजारे हैं।

## संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की छात्रा को मिला राज्य स्तरीय एनएसएस पुरस्कार

हिरदाराम नगर. संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविका कुमारी नेहा सिंह को वर्ष 2021-2022 में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और विशिष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मध्यप्रदेश राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित एक समारोह में उच्च शिक्षा विभाग मंत्री और बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कार्यक्रम संयोजक (रासेयो) द्वारा प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन स्वयंसेवकों को दिया जाता है जिन्होंने समाज सेवा, सामुदायिक विकास, जन जागरूकता और राष्ट्र निर्माण में असाधारण योगदान दिया हो। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डल्लिमा पारवानी ने नेहा सिंह को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने सेवा, अनुशासन और समर्पण की मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल नेहा के व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि कॉलेज की एनएसएस इकाई की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।



## साधु वासवानी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस की तैयारी पूरी



हिरदाराम नगर. परमहंस संत शिरोमणि स्वामी हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद और श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी की प्रेरणा से संचालित साधु वासवानी स्कूल में 79वें स्वतंत्रता दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाने की तैयारियां चल रही हैं। इस अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत झंडा फहराया जाएगा। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत तिरंगा फहराने और राष्ट्रगान के साथ होगी। इसके बाद सुबह 8 बजे एक भव्य रैली निकाली जाएगी, जिसमें छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगे झंडे, बैनर और तख्तियां लिए हुए +जय जवान, जय किसान+ और +भारत माता की जय+ जैसे नारे लगाते हुए शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरेंगे। रैली बैंड-बाजों के साथ स्कूल परिसर में समाप्त होगी। इस दौरान, आकर्षक पी.टी. और मार्च पास्ट का प्रदर्शन भी किया जाएगा। कार्यक्रम में देशभक्ति से भरे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, और अंत में छात्रों को मिठाई वितरित की जाएगी।

## श्रीराम मंदिर गुरुबख्श की तलैया में मनेगा जन्माष्टमी पर्व

भोपाल, दोहपर मेट्रो। गुरु बख्श की तलैया हमीदिया रोड स्थित श्री राम मंदिर में जन्माष्टमी का पावन पर्व उत्साह के साथ दिनांक 16 अगस्त शनिवार को आयोजित किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। इस पावन पर्व पर श्रीमद् भगवद्गीता पाठ, षोडोपचार पूजन, सहस्त्रार्चन एवं श्रंगार किया जायेगा। साथ ही मनोहारी विधुत सज्जा की व्यवस्था की जा रही है। श्री राम मंदिर न्यास के अध्यक्ष पंडित ओम मेहता ने बताया कि रात्रि 8-30 बजे से भक्ति संगीत सुश्री सुहासिनी जोशी द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा। रात्रि 12 बजे प्रभु की आरती होगी। तदुपरांत बधाइयां होंगी तथा प्रसाद वितरण किया जायेगा।

## बीमा कंपनी खर्च देने से पलटी तो आयोग हुआ सख्त, हर्जाना ठोका

### बीमारी को बताया मामूली

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी के एक व्यक्ति को बीमा कंपनी द्वारा उसकी बीमारी के समय अकेला छोड़ने पर अब उपभोक्ता आयोग ने सख्ती दिखाई है और जुर्माने समेत 60 हजार रुपये देने का आदेश दिया है। दरअसल कंपनी ने अस्पताल का खर्च देने से मना कर दिया। अक्सर बीमा कंपनियां तमाम बहाने बनाकर ऐसा पैतरा अपनाती हैं।

जानकारी के मुताबिक ऐसा ही एक मामला जिला उपभोक्ता आयोग की बेंच-1 में पहुंचा। जिसमें उपभोक्ता ने मेडिकल बीमा लिया था।



जब अस्पताल में भर्ती हुआ तो बीमा कंपनी ने इलाज में खर्च राशि को नहीं दी। अब चार साल बाद आयोग ने निर्णय सुनाया। आयोग की

अध्यक्ष गिरिबाला सिंह व सदस्य अंजुम फिरोज की बेंच ने बीमा कंपनी पर 60 हजार रुपये देने का हर्जाना लगाया।

दरअसल जिला उपभोक्ता आयोग में होशंगाबाद रोड निवासी डॉ. रणवीर सिंह, तेजिंदर सिंह व रमनिक कौर ने यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस व बंसल अस्पताल के खिलाफ याचिका 2020 में लगाई थी। इसमें शिकायत की थी कि उन्होंने पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा लिया था। जिसका प्रीमियम 19 हजार रुपये का था। जब उनके पेट में दर्द हुआ और अस्पताल में भर्ती हुआ तो पेट संबंधी बीमारी इको-कार्डियोग्राफी की गई। उनके इलाज में 30 हजार रुपये का खर्च आया।

मगर बीमा कंपनी ने बीमा राशि देने से इनकार कर दिया। कंपनी ने तर्क रखा कि उपभोक्ता को पहले से ही पेट संबंधी बीमारी थी, लेकिन उन्होंने बीमा लेते समय छुपाया, इसके अलावा यह इतनी बड़ी बीमारी नहीं थी जिसके लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़े। इस आधार पर कंपनी ने क्लेम को निरस्त किया। उपभोक्ता ने तर्क रखा कि वह जानबूझकर अस्पताल में भर्ती नहीं हुआ, बल्कि डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती हुआ था। इस संबंध में सभी दस्तावेज भी आयोग में जमा किए। आयोग ने बीमा कंपनी को इलाज में खर्च 30 हजार रुपये सहित 30 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति राशि देने का आदेश दिया।

## पार्क में लग रहे दफ्तर, बढ़ रही शिकायतें

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी के कई पार्क व्यावसायिक गतिविधि का केंद्र भी बन रहे हैं। इनमें अक्सर किसी कंपनी की ग्रुप मीटिंग का नजारा सामने आता है और पार्क में वॉक के लिए आने वाले लोगों या घूमने आए परिवारों को मुश्किलें होने लगती हैं। नए शहर के तीनों लिंक रोड से सटे पार्क में यह चलन ज्यादा हो गया है। लिंक रोड एक पर चिनार पार्क में यह बेहद आम दृश्य है। यहां टेलीकॉम कंपनी या अन्य

कभी कंपनियों के कर्मचारी बड़ी संख्या में एकत्र होकर अक्सर मीटिंग करते हैं, यह मीटिंग पार्क के भीतर का रास्ता घेरकर की जाती है।

इसे लेकर हर बार विवाद की स्थिति बन रही है। कंपनी के कर्मचारी और स्थानीय अधिकारी इस मामले में आपत्ति करने पर कई तरह के तर्क देने लगते हैं। एक वाक्या आज सुबह भी हुआ जब चिनार पार्क में कुछ मॉर्निंग वॉकर्स ने इन्हें बीच रास्ते से हटने को कहा तो यह बहस

पर उतारू हो गए। फिर बाद में कहने लगे कि वे तो योगा के लिए आए हैं या आज लाफ्टर एक्सरसाइज करेंगे, हालांकि वे मीटिंग ही करते रहे। इससे पहले भी कई बार यह नौबत बन चुकी है। पार्क में ऐसे जमावड़े से शोर शराबा भी होता है और इनके गुटका पाऊच आदि की गंदगी भी फैलती है। पार्क में मौजूद रहने वाले चौकीदार इस मामले में हस्तक्षेप से बचते हैं और अक्सर उनका तर्क होता है कि इस मामले में अधिकारी ही जानें।

## मप्र के 5 किसानों का कल दिल्ली में सम्मान

भोपाल। औषधीय खेती और उसमें अच्छे परफॉर्मेंस के लिए मध्यप्रदेश के पांच किसानों को कल दिल्ली के लालकिला पर स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। राज्य औषधीय बोर्ड ने इन किसानों का चयन किया है। आरुप मंत्री इंदर सिंह परमार ने औषधीय पौधों के उत्पादन में उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष सम्मान के लिए चयनित किसानों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इन किसानों ने औषधीय पौधों की खेती में अच्छा काम कर प्रदेश और देश में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इनके प्रयासों से औषधीय पौधों की आपूर्ति एवं गुणवत्ता में सुधार हुआ है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। इस पुरस्कार के लिये रतलाम जिले के दिनेश धाकड़ एवं यशोदा धाकड़, निवाड़ी जिले के नेगुवान के बलराम कुशवाह एवं गायत्री कुशवाह, बालाघाट जिले के रामेश्वर प्रसाद सोनकर एवं देविका सोनकर, सागर जिले के आकाश चौरसिया एवं उज्जैन जिले के सुरेश धाकड़ एवं आशा बाई का चयन हुआ है।

## हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष पद के लिए सभी 10 नामांकन वैध



भोपाल, दोहपर मेट्रो

हिंदू उत्सव समिति के मुख्य चुनाव अधिकारी पीसी कोठारी ने अध्यक्ष पद के लिए वैध नामांकन पत्रों की सूची जारी कर दी है। इसके लिए आये सभी 10 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं। 14 और 15 अदालत को

नाम वापस लिए जा सकेंगे तथा 16 अगस्त को उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। अध्यक्ष पद हेतु जिनके नामांकन वैध पाए गए हैं उनमें हेमंत सिंह कुशवाह , कैलाश बेगवानी, दीपेश श्रीवास्तव, पयोज जोशी, किशोरी लाल कुशवाह, चंद्र शेखर

तिवारी , घनश्याम गुप्ता, नारायण सिंह कुशवाह, हरी नारायण माली और कपिल जाधव हैं। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष संतोष साहू लखपति, वरिष्ठ आजीवन सदस्य शिव यादव, प्रत्याशी नारायण सिंह कुशवाह, चुनाव अधिकारी गण मौजूद थे।

## मेट्रो एंकर

छात्रों ने खाद्य उत्पादन, बेकिंग और पैकेजिंग की प्रक्रियाओं को समझा

## मिटी स्कूल के विद्यार्थियों ने किया इंडस्ट्री का शैक्षिक भ्रमण

हिरदाराम नगर। दोहपर मेट्रो

मिटी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के छात्रों ने हाल ही में मंडला स्थित एल.एम. बेकर्स ( पारले इंडस्ट्रीज ) का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य छात्रों को बड़े पैमाने पर खाद्य उत्पादन, बेकिंग और पैकेजिंग की प्रक्रियाओं को करीब से समझाना था।

छात्रों ने विस्किट उत्पादन संयंत्र का दौरा कर गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छता और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मानकों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। इस अनुभव ने उनकी किताबी ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ खाद्य विनिर्माण क्षेत्र में



करियर की संभावनाओं के प्रति उनकी रुचि भी बढ़ाई। इस अवसर पर, संस्थान के सचिव घनश्याम बूलचंदानी

ने कहा कि ऐसे भ्रमण छात्रों को उद्योग की कार्यप्रणाली, गुणवत्ता और नवाचार के महत्व से परिचित कराते हैं। वहीं,

प्राचार्य ए.एन. मणिकंडन ने इस दौरे को ज्ञान और अनुभव का एक जीवंत अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि छात्रों

ने इस दौरान परिश्रम, अनुशासन, समयपालन और टीमवर्क जैसे नैतिक मूल्यों को भी महसूस किया।





नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

**24x7** जन सेवा में समर्पित  
तकनीक से सशक्त  
**डायल 112**

त्वरित और संवेदनशील आपातकालीन सेवा

**शुभारंभ**

**डॉ. मोहन यादव**  
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश  
द्वारा

14 अगस्त 2025, दोपहर 12:00 बजे  
कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार, भोपाल



**डायल-100 अब हुई डायल-112**

**अब तक 1.97 करोड़**  
**से अधिक नागरिकों को समय पर सहायता**

19.71 लाख घटनाओं  
में महिला सुरक्षा के  
लिए त्वरित प्रतिक्रिया

12.48 लाख  
सड़क दुर्घटनाओं  
में सहायता

2.23 लाख  
वरिष्ठ नागरिकों  
को सहायता



• अब प्रतिक्रिया नहीं, पूरी तैयारी के साथ सुरक्षा का वादा •

📍 उन्नत कॉल सेंटर प्रणाली से मात्र 16 मिनट में लोकेशन  
पर पहुंचेगी सहायता

📞 अग्निशमन, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और विशेष हेल्पलाइन  
जैसे महिला, साइबर बाल संरक्षण की एकीकृत हेल्पलाइन

🔒 गोपनीयता बनाये रखने हेतु नम्बर मास्किंग

🗣️ चैटबॉट जैसे नॉन-वॉयस माध्यमों द्वारा नागरिकों से संवाद और  
शिकायतों की ट्रेकिंग

📹 पारदर्शिता हेतु FRVs में डैशबोर्ड कैमरा और बॉडी वॉर्न कैमरा

D-11082/25



संपादकीय

# दवा बाजार की बेताबी व सतर्कता

इस दशक के अंत तक वजन कम करने की दवाओं का वैश्विक बाजार करीब सौ अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद है। अकेले भारत में पिछले पांच साल में यह बाजार पांच गुना बढ़ गया है और अब इसका मूल्यांकन करीब 7.3 करोड़ डॉलर है। इसकी एक वजह मधुमेह और मोटापे के बढ़ते मरीजों को भी माना जा सकता है। मोटापा भी महामारी के स्तर पर पहुंच रहा है क्योंकि समृद्धि बढ़ रही है और जीवनशैली में आराम तथा जंक फूड की पैठ हो गई है। जाहिर है कि इन दिनों भारतीय दवा कंपनियां भारी लाभ कमाने की तैयारी व जल्बाबाजी में हैं। ऐसा इसलिए नजर आ रहा है क्योंकि वजन कम करने में सहायक और मधुमेह के इलाज में काम आने वाले औषधि घटक सेमालूटाइड का पेटेंट 2026 में तकरीबन सौ देशों में समाप्त हो जाएगा। इन देशों में भारत, कनाडा और ब्राजील भी शामिल हैं। सेमालूटाइड से बनने वाली दवाओं को डेनमार्क की दवा निर्माता कंपनी नोवो नॉर्डिस्क द्वारा ओजेपिक और वीगोवी नामक ब्रांड नाम के अंतर्गत बेचा जाता है। इनसे कंपनी ने

इससे 25 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया। आश्चर्य नहीं कि भारतीय दवा कंपनियों को भी इसमें बहुत बड़ा अवसर नजर आया है और वे सेमालूटाइड का काफी सस्ता जेनरिक संस्करण बाजार में उतारने की तैयारी में हैं। भारत के घरेलू दवा उद्योग की सभी बड़ी कंपनियां मसलन डॉ. रेड्डीज, बायोर्कॉन, सन फार्मा, सिप्ला, ल्यूपिन और अरविंदो फार्मा आदि के बारे में खबर है कि वे इस दवा के इंजेक्शन और गोली स्वरूप को खुद तैयार करने या अनुबंध के आधार पर तैयार करवाने की योजना बना रही हैं। लेकिन बाजार अवसर और सस्ती जेनरिक दवाओं से उपभोक्ताओं के लिए लाभ दोनों का जोखिम के हिसाब से आकलन भी जरूरी है। हालांकि, नोवो नॉर्डिस्क सेमालूटाइड के

पेटेंट की अवधि बढ़ाने के लिए पारंपरिक 'एवरग्रीनिंग' की रणनीति अपना सकती है जिससे जेनरिक दवाओं के प्रवेश को रोका जा सकता है। फिलहाल उसने डॉ रेड्डीज और बेंगलुरु की ऑनसोर्स स्पेशियलिटी फार्मा पर सेमालूटाइड की मार्केटिंग करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में मामला दर्ज किया है और इसके लिए पेटेंट के उल्लंघन को वजह बताया है। एली लिली नामक कंपनी अपनी मधुमेह और वजन प्रबंधन दवाओं को क्रमशः मोंजोरा और जेपबाउंड के नाम से बेचती है। खबरें हैं कि यह कंपनी टिजेंटाइड नामक औषधि घटक के फॉलोऑन पेटेंट के लिए प्रयास कर रही है जो 2036 में समाप्त हो रहा है। ये पेटेंट मुख्य रूप से आपूर्ति साधन, उपचार विधियों और फॉर्मूलेशंस

पर केंद्रित हो सकते हैं। इसके साथ ही बिना पर्याप्त सुरक्षा जांच के अनुबंधित विनिर्माण का तेजी से विस्तार घरेलू दवा निर्माताओं के लिए बहुत नुकसानदेह साबित हो सकता है। कुछ समय पहले फ्रेंचाइजी इकाइयों में बनी बच्चों की खांसी की दवा से जुड़ा हदसा हमें चेताने वाली घटना है। इसके अलावा दोनों दवाओं को सख्त चिकित्सकीय निगरानी में लेना होता है और इनके साथ भोजन और व्यायाम को लेकर भी काफी सावधानी बरतनी होती है। बिना इसके मरीजों को गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि औषधि नियंत्रक पेटेंट अवधि समाप्त होने वाली इन दवाओं के निर्माण और वितरण पर निगरानी रखे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इनसे कोई दूसरी समस्या नहीं पैदा होगी। इस पूरे मामले में एक पक्ष कारोबारी हो सकता है लेकिन दूसरा पक्ष यह है कि लोग अपनी जीवनशैली को बदलें इसमें शारीरिक श्रम को शामिल करें और खानपान की आदतों में भी सुधार करें, यदि यह सब होगा तो दवा पर निर्भरता और साइड इफेक्ट के खतरे भी कम होंगे।

व्यवहार में संतुलन-संयम बड़ी साधना से ही आता है। - मन्जू मंडारी

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

निशाना

धीरे-धीरे अनदेखी !



रोज नया ट्रंप ।  
गा रहे हैं गाना ॥  
धीरे-धीरे अनदेखी ।  
कर रहा जमाना ॥  
धुंधला दृष्टिकोण ।  
फायदे की जंग ॥  
शान-शान-उनका ।  
कम होता उमंग ॥  
अहं नहीं चल पाएगा अब ।  
स्वतन्त्र-लिए हैं जान ॥  
इस कार्यकाल ने ।  
कम किया सम्मान ॥  
चुभ रहा अब टैरिफ ।  
बात नहीं बन पाई ॥  
इसी को तो कहते ।  
बड़ी जगहसाई ॥

- कृष्णेन्द्र राय

- आज का इतिहास
- 2013 - मिश्र में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प में 638 लोग मारे गये।
  - 2007 - पाकिस्तानी राष्ट्राध्यक्ष परवेज मुशर्रफ़ तथा पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर के मध्य समझौता हुआ।
  - 2006 - संयुक्त राष्ट्र की पहल पर इस्त्रायल और दक्षिणी लेबनान में पांच सप्ताह से जारी संघर्ष थमा।
  - इराक के कहतानिया में बमबारी में 400 लोग मारे गये।

■ सुरेन्द्र शर्मा

15 अगस्त 1947 का दिन भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन था सदियों की विदेशी सत्ता समाप्त होकर भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई पर यह स्वतंत्रता खुशी के साथ आंसू भी लेकर आई। अंग्रेज स्वतंत्रता तो दे गये पर अपनी कुटिल चालों से भारत का विभाजन भी करार कर चले गए। 13 अगस्त तक जो राष्ट्र अखंड था 14 अगस्त को उसके दो टुकड़े हो गए जिस राष्ट्र ने 1905 में अपने एक प्रदेश बंगाल के विभाजन का पुरजोर विरोध किया एवं अंततः 1911 में अंग्रेजों को बंगाल का विभाजन रह करना पड़ा कमजोर नेतृत्व के कारण उसी राष्ट्र ने ठीक छत्तीस वर्ष पश्चात देश का विभाजन स्वीकार कर लिया। आजादी के जश्न में ना कोई जनता के आंसू देखने वाला था और ना ही कोई परिजनों के बिछड़ने पर सांत्वना देने वाला था । विभाजन की मांग को विलक्षण मूर्खता कहकर ठुकराने वाले या पकिस्तान मेरी लाश पर बनेगा कहकर जनता को विभाजन न होने देने का आश्वासन देने वाले आज मौन थे । आवाजें थीं तो स्वतंत्रता प्राप्ति के सरकारी आयोजनों की या फिर विभाजन के दर्श को झेल रही आम जनता की। अपनी आंतरिक दुर्बलताके कारण भारत लंबे समय तक विदेशी आक्रमणों को झेलता रहा एवं विदेशी शासकों के अधीन रहा । सन 1857 में पहली बार संगठित रूप से विदेशी दासता का प्रतिकार करने एवं स्वधर्म तथा स्वराज की रक्षा हेतु संग्राम लड़ा गया जिसने भारत से ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त कर दिया एवं भारत पर सीधे ब्रिटेन का शासन हो गया इस क्रांति के पश्चात एक तरफ भारत की जनता में स्वतंत्रता प्राप्ति की इच्छा प्रबल हो चुकी थी दूसरी तरफ ब्रिटिश सरकार इस राष्ट्र भक्ति के ज्वार को टंडा करने का हर संभव प्रयास करने लगी थी ब्रिटिश सरकार द्वारा अपनी फूट डालो और राज करो की नीति को और तेज गति से लागू करना प्रारंभ कर दिया था देश की एकता को तोड़ने के लिए रेजीमेंटों को जाति के आधार पर बांटना जनाक्रोश को दबाने के लिए 1885 में अंग्रेज आईसीएस अधिकारी एओ ह्यूम जो 1857 में इटावा के कलेक्टर थे एवं क्रांतिकारियों के डर से महिला का वेश रखकर इटावा से भागे थे के द्वारा कांग्रेस की स्थापना ,1905 में धर्म के आधार पर बंगाल प्रांत का विभाजन अंग्रेजों की सोची समझी चालों का परिणाम था पर भारत में राष्ट्रवाद का बेग अपने चरम पर था राष्ट्र भक्त जनता ने अंग्रेजों की सभी चालों को विफल किया हुआ था भारत के अंदर बंकिमचंद्र चटर्जी , लोकमान्य तिलक लाला लाजपत राय बिपिन चंद्र पाल जैसे नेता जनता अंदर राष्ट्रभक्ति की ज्वाला को प्रखर कर रहे थे कांग्रेस भी अब अंग्रेज भक्त संस्था से राष्ट्र भक्त संस्था का रूप लेकर जन आंदोलन का नेतृत्व कर रही थी। जनता के इस ज्वार को सह पाना अंग्रेजों को असहनीय

हो रहा था वह अपने लिए एक ऐसे मोहरे की तलाश कर रहे थे जो उनके लिए भारत विरोधी कार्य कर सके इसी उद्देश्य से 1905 में मुस्लिम लीग की स्थापना भी अंग्रेजों की योजना से हुई। परंतु प्रारंभ में वह निष्प्रभावी रही 1920 तक लोकमान्य तिलक कांग्रेस के सर्वोच्च नेता थे 1 अगस्त 1920 को तिलक की मृत्यु के पश्चात मोहनदास करमचंद गांधी कांग्रेस के सर्वोच्च नेता बन गए गांधी जी का स्पष्ट मत कि हिन्दू मुस्लिम एकता के बिना स्वराज की प्राप्ति संभव नहीं है अतः मुस्लिम समुदाय को साथ रखने के लिए जो कुछ भी करना पड़े वह करना चाहिए जब भारत के मुसलमानो ने तुर्की के खलीफा के समर्थन में खिलाफत आंदोलन प्रारंभ किया उस समय कांग्रेस के प्रमुख नेताओं अध्यक्ष विजय राघवचारी, एनी बेसेंट, रवींद्रनाथ ठाकुर ने 1920 के कोलकाता अधिवेशन में खिलाफत आंदोलन का विरोध किया परंतु गांधीजी की इच्छा के आगे उनकी एक न चली परिणाम स्वरूप भारत में अलगाववाद का एक नया विचार प्रारंभ हुआ। खिलाफत आंदोलन से हिंदू मुस्लिम एकता तो दूर उल्टे मुस्लिम कट्टर पंथियों एवं ब्रिटिश षडयंत्र कारियों को हिंदुस्तान को कमजोर करने का एक नया हथियार मिल गया। बात यही समाप्त नहीं हुई सरदार भगत सिंह एवं उनके साथियों की फांसी की रकवाने का प्रयास न करना नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्याग पत्र देने के लिये मजबूर करना एवं मोहम्मद अली जिन्ना जब तक राष्ट्रवादी थे तब तक उनकी उपेक्षा करना और जब वह अलगाववाद का राग अलापने लगे तो उनके सामने झुकने जैसी अनेक गलतियां थी जो तत्कालीन नेतृत्व ने की एवं जो अततः भारत के लिए घातक साबित हुई । मोहम्मद अली जिन्ना जो भारत के विभाजन के सूत्रधार बने प्रारंभ में प्रखर राष्ट्रवादी थे वह लोकमान्य तिलक के अनुयाई थे जब तिलक पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चला तब उन्होंने ही पैरवी की थी। 1906 में जब आगा खान ने पृथक निर्वाचन मंडल की मांग की तब जिन्ना ने यह कहते हुए विरोध किया कि इससे मुसलमानों में अलगाववाद की भावना बढ़ेगी। यहां तक की मुस्लिम लीग में शामिल होते समय जिन्ना ने स्पष्ट शब्दों मे कहा था की मेरी निष्ठा राष्ट्रीय हित के प्रति होगी जिन्ना ने खिलाफतआंदोलन का भी यह कहकर विरोध किया था कि यह मामला हमारे देश से संबंधित नहीं है यह एक मजहबी मामला है और उसके कारण आगे चलकर मजहबी वैमनस्य बढ़ेगा पर राष्ट्रवादी जिन्ना को कांग्रेस ने अलग-थलग कर दिया एवं आगा खान, अली बंधुओं जैसे अलगाववादियों को महत्व देती रही एवं

जब जिन्ना ने अलगाववाद का रास्ता अपना लिया तो कांग्रेस एवं उसके नेता जिन्ना को महत्व देने लगे। इस प्रकार तृष्टिकरण सत्ता की लालसा एवं कमजोर नेतृत्व तथा अंग्रेजों की कुटिल चालों के कारण भारत का विभाजन हो गया जिस रावी के तट पर 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वराज्य की शपथ कांग्रेस के नेताओं द्वारा ली गई थी वह रावी पाकिस्तान का हिस्सा हो गई । जिन आंखों में स्वतंत्रता प्राप्ति का स्वप्न बरसों से पल रहा था उन आंखों को स्वतंत्रता के साथ विभाजन का भीषण मंजर देखना पड़ा। जवाहरलाल नेहरू भारत का प्रधानमंत्री बनकर खुश थे तो मोहम्मद अली जिन्ना मनमगंा देश लेकर खुश थे ,दुखी थे तो भारत के करोड़ों लोग जिनका सब कुछ लुट गया स्वतंत्रता तो मिली पर देश खंडित हो गया। 1857 में भारत का क्षेत्रफल 83 लाख वर्ग कि.मी. था। वर्तमान भारत का क्षेत्रफल 33 लाख वर्ग किमी है। जबकि पड़ोसी 9 देशों का क्षेत्रफल 50 लाख वर्ग कि.मी. बनता है। जून 1947 में अचानक अंग्रेजों द्वारा कहा गया कि भारत अब आजाद हो रहा है लेकिन हमारी जमीन बंटेगी और इसे कैसे बांटना है यह अंग्रेज बहादुर और मुसलमान तय करेंगे। आजादी मिलना वैश्विक प्रक्रिया का एक हिस्सा भर थी जिसके दो ही कारक महत्वपूर्ण थे। एक द्वितीय विश्व युद्ध जिसने ब्रिटेन के बाजार को सड़क पर ला दिया और दूसरा यह डर कि आजाद हिंद फौज के प्रति भारतीय सेना की बढ़ती सहानुभूति कहीं बड़े आंदोलन का रूप न ले ले। इसकी परिणतित्वरूप माउंटबेटन दम्पति भारत आए। माउंटबेटन और रेडक्लिफ ने बँटवारे के मामले में बहुत जल्दबाजी दिखाई, पहले भारत की आजादी के लिए जून 1948 तय किया गया था, माउंटबेटन ने इसे पहले खिसका कर अगस्त 1947 कर दिया जिससे भारी अफरा-तफरी फैली और असंख्य लोगों की जानें गई। बंटवारा चाहता कौन था: समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने अपनी किताब 'गिल्टी मेन ऑफ़ पार्टिशन' में लिखा है कि कई बड़े कांग्रेसी नेता जिनमें नेहरू भी शामिल थे वे सत्ता के भूखे थे जिनकी वजह से

बँटवारा हुआ परंतु इस्लामिक साम्प्रदायिकता इस लालच से भी बहुत बड़ी थी। नामी-गिरामी इतिहासकार बिपिन चंद्र ने तो विभाजन के लिए सीधे मुसलमानों की सांप्रदायिकता को जिम्मेदार ठहराया है। दरअसल हमारी संविधान सभा ने जिस लिखित संविधान को अपनाया वह लगभग 75% हिस्सा 1935 का भारत शासन एक्ट ही है जिसमें गैरजरूरी प्रशासनिक स्थानीय प्रावधान हैं और जो बेइतहा अलगाववाद और प्रांतीयता को हवा देता है। 1935 का भारत शासन एक्ट 1919 के संविधान सिद्धांत का अनुसरण करता है जो विकेंद्रीकरण का सिद्धांत है न कि फेडरेशन का। इसी एक्ट के अनुसार बर्मा को भारत से अलग किया गया और सिंध और उड़ीसा दो नए प्रांत बने। बर्मा हमारा नहीं रहा सिंध अब पाकिस्तान में है। आज भारत और पाकिस्तान दोनों दुखी हैं न भारत में चैन है ना पाकिस्तान में शांति जिस धर्म के आधार पर पाकिस्तान बना था उसी में से टूट कर 1971 में बांग्लादेश बन गया जो जबरन विकास पर खर्च होना चाहिए वह युद्ध सामग्री खरीदने में खर्च हो रहा है ।प्राकृतिक रूप से बना पाकिस्तान आज एक बार टूटक गंगार पर है कुछ लोगों का मत है कि विभाजन एक स्थापित सत्य है पर वह उनकी भ्रांति से ज्यादा कुछ नहीं । जब दोनों देशों की जनता चाहेगी विभाजन समाप्त होकर रहेगा विभाजन को स्थापित सत्य मानने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए की वर्षों पूर्व जर्मनी का भी विभाजन हुआ था परंतु बाद में विभाजन समाप्त होकर जर्मनी का एकीकरण हुआ। 2047 में भारत और पाकिस्तान दोनों ही अपने स्वतंत्रता की सौ वीं वर्ष गांठ मनायेंगे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्तमान काल से 2047 तक के समय को अमृत काल कहा है यह अमृत काल भारत की जनता के पुरुषार्थ से भारत को वैश्विक नेतृत्व प्रदान करेगा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन चुका है और निश्चित ही 2047 तक भारत विश्व की पहले क्रमांक की अर्थवस्था बनेगा, आत्मनिर्भर भारत समृद्ध भारत समर्थ भारता। क्या पाकिस्तान भी इस सकारात्मक सोच के साथ भारत का विरोध और नफरत छोड़कर भारत का अनुसरण नहीं कर सकता ? स्वतंत्रता प्राप्ति पर विनायक दामोदर सावरकर ने जो प्रतिक्रिया दी थी वह आज भी प्रासंगिक है उन्होंने कहा था स्वतंत्रता प्राप्ति की मुझे खुशी है पर यह खंडित है इसका मुझे दुख है उन्होंने कहा की - किसी देश की सीमाएं नदी, पहाड़ों या सीधे पत्रों से निश्चित नहीं होती हैं यह तो उस देश के युवाओं के पैरूप एवं कर्तृत्व से निर्धारित होती हैं जिस दिन भारत की तरुनाई अपना कर्तृत्व दिखायेगी उस दिन भारत की सीमाएं काबुल और कंधार को लांघकर दूर निकल जाएंगी। - साभार: यह लेखक के अपने विचार है।

# महिलाओं की निर्णायक भूमिका थी भारत छोड़ो आंदोलन में

■ जयसिंह रावत

अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने ‘करो या मरो’ का आह्वान करते हुए भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की। यह आंदोलन केवल एक जनांदोलन नहीं था, बल्कि वही निर्णायक मोड़ था जिसने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी और उन्हें भारत को स्वतंत्र करने के लिए मजबूर कर दिया।यह वही क्षण था, जिसने अंग्रेजों को यह महसूस करा दिया कि अब भारत पर शासन करना असंभव है। भारत छोड़ो आंदोलन की पृष्ठभूमि में कई घटनाएँ थीं। 1942 की शुरुआत में ही ब्रिटेन ने क्रिप्स मिशन के जरिए भारत को कुछ सीमित स्वायत्तता देने का प्रयास किया, लेकिन यह प्रस्ताव कांग्रेस और आम जनता के लिए अस्वीकार्य था क्योंकि इसमें पूर्ण स्वतंत्रता की कोई गारंटी नहीं थी।क्रिप्स मिशन की असफलता के बाद ही गांधीजी और कांग्रेस ने ब्रिटिश राज को पूरी तरह समाप्त करने का फैालन किया। इस आंदोलन ने अंततः 1946 में कैबिनेट मिशन के आगमन और 1947 में भारत की स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया। यह आंदोलन स्वतंत्रता संग्राम का वह चरण था जिसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी हुई, और महिलाओं की भागीदारी तो न केवल प्रेरणादायक थी, बल्कि निर्णायक भी। उस समय जब समाज में महिलाओं की भूमिका सीमित थी, उन्होंने न केवल इस क्रांति में भाग लिया, बल्कि कई स्थानों पर उसका नेतृत्व भी किया।भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत के साथ ही ब्रिटिश सरकार ने कांग्रेस के लगभग सभी शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार कर लिया था। ऐसी स्थिति में आंदोलन को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी जनता पर आ गई और इसमें महिलाएं



अग्रणी रहीं। अरुणा आसफ अली ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान ( अब अगस्त क्रांति मैदान ) में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर अंग्रेजों को खुली चुनौती दी। यह कार्य केवल प्रतीकात्मक नहीं था, बल्कि एक जनक्रांति की चिंगारी थी। सुचेता कृपलानी ने भूमिगत कार्यों का संचालन किया। वे कार्यकर्ताओं को संगठित करती रहीं और संदेशों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का जोखिम भरा कार्य करती थीं। उषा मेहता द्वारा स्थापित 'कांग्रेस रेडियो' एक ऐसा माध्यम बना, जिसने सेंसरशिप के युग में सच्ची आवाज को लोगों तक पहुंचाया। इसके अलावा, अनेक स्थानीय महिलाओं ने भी नेतृत्व संभाला—जैसे कि कस्तूरबा गांधी, जिन्हें आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया और वे जेल में ही गंभीर रूप से बीमार होकर चल बसीं। इस आंदोलन में भाग लेने वाली महिलाएं केवल शहरी, शिक्षित और उच्च वर्ग की नहीं थीं, बल्कि गाँव-देहात की आम स्त्रियाँ भी थीं, जिनके पास ना शिक्षा थी, ना राजनीतिक प्रशिक्षण, फिर भी उनमें

आजादी की भूख थी। शहरी महिलाओं में सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, कमला नेहरू, दुर्गा बाई देशमुख जैसी नेताओं ने भाषणों, जुलूसों और सत्याग्रहों के माध्यम से आंदोलन को धार दी। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण भारत की अहमद लैकिन जागरूक महिलाएं भी आंदोलन का हिस्सा बनीं। उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र और असम के गांवों में स्त्रियों ने सरकारी इमारतों पर झंडा फहराया, रेल लाइनों को बाधित किया और ब्रिटिश अधिकारियों का सामाजिक बहिष्कार किया। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र की भीमा बाई होल्कर ने ब्रिटिश टुकड़ी पर सीधे हमला किया। इसी तरह असम की कनकलता बरुआ ने 17 साल की उम्र में जुलूस की अगुवाई करते हुए तिरंगा फहराते समय गोली खाई। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान महिलाओं ने उन सामाजिक बैडियों को भी तोड़ा जो सदियों से उनकी स्वतंत्रता को बाधित कर रही थीं। पर्दा प्रथा, जातिगत भेदभाव और लिंग आधारित रूढ़ियाँ उस समय आम थीं, लेकिन आंदोलन में भागीदारी ने उनमें आत्मबल

और आत्मविश्वास की भावना को जन्म दिया। कॉलेजों और विद्यालयों की छात्राओं ने अपनी पढ़ाई छोड़कर जुलूसों में भाग लिया, पच्चे बाँटे, भाषण दिए और विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। गृहिणियाँ, जो आमतौर पर घर के चूल्हे-चौके तक सीमित थीं, अब जेलों तक पहुँच गईं। यह परिवर्तन केवल आंदोलन तक सीमित नहीं रहा। स्वतंत्रता के बाद कई महिलाएँ सामाजिक और राजनीतिक नेतृत्व में आगे आईं। यह परिवर्तन उस समय के लिए एक सामाजिक क्रांति से कम नहीं था। इस आंदोलन में महिलाओं को सामाजिक ही नहीं, शारीरिक और मानसिक दमन का भी सामना करना पड़ा। हजारों महिलाएं गिरफ्तार हुईं। उन्हें जेल में रखा गया, जहाँ अमानवीय व्यवहार, बीमारी और यातना आम बात थी। कस्तूरबा गांधी की जेल में हुई मृत्यु एक ऐसा बलिदान था, जो दिखाता है कि यह लड़ाई कितनी कठोर थी। मातंगिनी हाजरा, जिनकी उम्र 73 वर्ष थी, बंगाल के तामलुक में तिरंगा लिए मार्च करते हुए पुलिस की गोली का शिकार बनीं। कनकलता बरुआ असम में गोली खाकर शहीद हो गईं। इसके अतिरिक्त, कई महिलाएँ पुलिस की बर्बरता की शिकार बनीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। इन बलिदानों ने आंदोलन को नैतिक बल प्रदान किया और जनमानस में स्वतंत्रता के प्रति भावना को और प्रबल किया। भारत छोड़ो आंदोलन द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान शुरू हुआ, जब ब्रिटेन पहले से ही दबाव में था। महिलाओं की भागीदारी ने इस आंदोलन को और अधिक नैतिक बल दिया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी इसकी गूँज सुनाई दी। महिलाओं द्वारा अपनाई गई रणनीतियाँ - जैसे गुप्त संचार, वैकल्पिक संगठन खड़ा करना, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार और स्थानीय स्तर पर आंदोलन का संचालन - आंदोलन

को गतिशील बनाए रखने में कारगर सिद्ध हुई।आज जब हम महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता और नेतृत्व की भागीदारी की बात करते हैं, तो भारत छोड़ो आंदोलन की ये नायिकाएँ प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। यह आंदोलन महिलाओं के लिए उस दरवाजे की तरह था, जिससे वे सार्वजनिक जीवन में प्रवेश कर सकीं। स्वतंत्रता के बाद सुचेता कृपलानी भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं। इसके अलावा, राज्यसभा और लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी में जो वृद्धि हुई, उसकी नींव इसी आंदोलन में रखी गई थी। आज की हर महिला नेता, चाहे वह संसद में हो या पंचायत में, चाहे वह सामाजिक कार्यकर्ता हो या शिक्षिक - कहीं न कहीं उन महिलाओं की उत्तराधिकारी है, जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध डटकर मुकाबला किया। भारत छोड़ो आंदोलन केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था, बल्कि वह सामाजिक जागरूकता और लैंगिक मुक्ति की दिशा में एक बड़ा कदम था। इस आंदोलन ने यह सिद्ध किया कि देशभक्ति केवल पुरुषों की परिभाषा नहीं है। महिलाएं भी जब अवसर और उद्देश्य पाती हैं, तो वे इतिहास बदल सकती हैं। अरुणा आसफ अली का तिरंगा फहराना, उषा मेहता का कांग्रेस रेडियो, मातंगिनी हाजरा और कनकलता बरुआ की शहादत - ये सभी घटनाएँ एक ऐसे साहस और संकल्प की प्रतीक हैं, जो हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। इन वीरानाओं की विरासत हमें आज यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम उनके सपनों के भारत की ओर अग्रसर हैं? क्या हमारी आज की महिलाएं वही आत्मबल, स्वतंत्रता और नेतृत्व अनुभव कर रही हैं, जिसके बीज उन आंदोलनों में पड़े थे?

साभार: यह लेखक के अपने विचार है।







हत्या का आरोप: एक दिन पहले भागकर अपने घर आ गया था मृतक, फिर पकड़कर ले गए

# नशे की लत छुड़ाने के लिए प्रायवेट सेंटर में भर्ती हुए बैंक अफसर की संदिग्ध मौत

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

नशे की लत छुड़ाने के लिए यहां के एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती किए गए बैंक अफसर की संदिग्ध मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पंकज को नशामुक्ति केंद्र के लोगों ने पीट-पीट कर मार डाला। गोल्डन संस्कार नशा मुक्ति केंद्र महाराजपुरा में शनिचरा रोड पर स्थित है। परिजनों को कहना है कि नशा मुक्ति केंद्र में पंकज को प्रताड़ना दी जा रही थी। इसलिए वह वहां से भाग आया था। पुलिस और चिकित्सकों ने बताया कि पंकज के शरीर पर कई जगहों पर चोट के गहरे निशान हैं। घटना के बाद नशा मुक्ति केंद्र के संचालक फरार हो गए हैं। परिजनों की शिकायत के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पंजाब नेशनल बैंक के फील्ड ऑफिसर पंकज शर्मा को 25 जुलाई को मिनी गोल्डन संस्कार नशामुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। वे पूरी तरह स्वस्थ हो गए लेकिन 12 अगस्त को केंद्र वाले उन्हें जबरन पकड़कर वापस ले गए थे। आरोप है कि पंकज को रात भर पीटा जिससे उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 5 बजे हमें बताया कि पंकज की हालत बेहद बिगड़ गई है। ट्रॉमा सेंटर में स्ट्रेचर पर पंकज की लाश पड़ी मिली। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमॉर्टम कराया। पंकज के चेहरे, आंख और शरीर में कई जगहों पर गंभीर चोटों के निशान पाए



पुलिस से शिकायत करते मृतक के परिजन। इनसेट: मृतक अफसर पंकज शर्मा

गए हैं। उपनगर मुरार त्यागी नगर निवासी 33 साल के पंकज शर्मा की एक बेटी है। वे कुछ समय से स्मैक गांजा पीने लगे थे तो परिजनों ने उन्हें नशामुक्ति केंद्र में

भर्ती करा दिया था। मंगलवार सुबह पंकज भागकर अपने घर आ गए। केंद्र वालों ने बड़ागांव खुरैरी में पंकज को पकड़ा और वापस ले गए।

## फोन पर बताया था तबियत बिगड़ी

बुधवार सुबह नशामुक्ति केंद्र के संचालक विशाल कांकर और हर्ष शिंदे ने परिजनों को फोन कर बताया कि पंकज की तबीयत बुरी तरह बिगड़ गई है। जेएच के ट्रॉमा सेंटर वह मृत पड़ा मिला। डॉक्टरों ने बताया कि पंकज को यहां पर मृत अवस्था में ही लाया गया था। परिजनों ने पंकज के शव पर जगह-जगह गंभीर चोट के निशान देखे तो हंगामा कर दिया। उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र के संचालक पर पंकज की हत्या का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। घटना के बाद नशा मुक्ति केंद्र के संचालक विशाल कांकर और हर्ष शिंदे फरार हो गए हैं। महाराजपुरा थाना प्रभारी धर्मद यादव ने बताया युवक के शरीर पर चोटों के निशान हैं। परिजनों ने नशामुक्ति केंद्र के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है।

## वीर शिरोमणि दुर्गादास की जयंती मनाई



**गंजबासौदा।** मनकादेश्वर मंदिर सावरकर चौक पर वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौर की जयंती मनाई गई। जिसमें समस्त समाज जन मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मन्दिर में महादेव जी के पूजन अर्चना से हुई। पूजन के बाद दुर्गादास राठौर के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित कर आरती वंदन हुई। हारमोनियम पर दुर्गादास आरती गायन समाज के बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई। समस्त समाज बंधुओं को रुद्राक्ष वितरित किए गए। इसके बाद प्रसादी वितरण हुआ। संचालन नगर अध्यक्ष ब्रजेश राठौर ने किया। अध्यक्ष ने दुर्गादास जी की प्रतिमा स्थापना जल्द ही होने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सत्री राठौर, हर्ष राठौर ने दुर्गादास जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

## अतिथि शिक्षक की पिटाई से छठवीं के छात्र को लगी चोट, थाने पहुंचा मामला

खून से सने बच्चे को लेकर पिता बच्चे को लेकर थाने पहुंचे  
सिरोंज। दोपहर मेट्रो

हाईस्कूल भौरिया में छठी कक्षा के छात्र को एक अतिथि शिक्षक ने इस तरह मारा कि उसके सिर पर चोट लग गई। छठी कक्षा के छात्र के पिता ने सिरोंज थाने में शिकायत की है। जिसमें उन्होंने बताया कि उनका बेटा जब स्कूल से वापस लौटा तो उसके सिर में से खून निकल रहा था। पुछने पर उसने बताया कि स्कूल के अतिथि शिक्षक टीकाराम जाटव ने उसे मारते हुए सिर टेबिल पर मार दिया। जिससे उसके माथे और नाक में चोट लग गई और खून निकल आया। बच्चे के पिता उसे लेकर

स्कूल पहुंचे और स्टाफ के सदस्यों को अवगत कराया, लेकिन उनकी बात को नहीं सुनी गई। परेशान पिता बच्चे को लेकर सिरोंज थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। हाईस्कूल भौरिया के प्राचार्य गिरजाशंकर गौतम ने बताया शाम 4 बजे तक स्कूल में ऐसी कोई घटना नहीं हुई थी। बच्चे के पिता अचानक आए और अतिथि शिक्षक की शिकायत करने लगे। हमने उनसे गुरूवार को जांच करने की बात कही थी लेकिन वे बिना सुने ही वापस लौट गए।



## मेट्रो एंकर

डॉ. शियाली रामामृत रंगनाथन जयंती पर विक्रम यूनिवर्सटी में आयोजित हुआ समारोह

## जो पुस्तक के आगे झुकता है, उसे किसी और के आगे झुकना नहीं पड़ता

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

पुस्तकें केवल सूचनाओं का भंडार नहीं, बल्कि अनुभव और भावनाओं की संवाहक भी हैं। कुलगुरु ने घोषणा की कि शीघ्र ही विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में अत्याधुनिक ई-पुस्तकालय सुविधा शुरू होगी, जिससे विद्यार्थी घर बैठे चौबीसों घंटे देश-विदेश में उपलब्ध ई-पुस्तकों एवं शोध-पत्रों तक पहुंच बना सकेंगे।

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला तथा महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में अशोक त्रिवेदी सभाग्रह में प्रख्यात ग्रंथालय विज्ञान विद्वान डॉ. शियाली रामामृत रंगनाथन की जयंती एवं पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस समारोह के अवसर पर उपरोक्त उद्घार व्यक्त किए तथा श्रोताओं को पुस्तक प्रेम की ओर पुनः आकर्षित किया।

पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. जैन ने स्वागत भाषण में कहा कि कुलगुरु के नेतृत्व में विश्वविद्यालय विकास की ओर निरंतर अग्रसर है। अध्ययनशाला



की शैक्षणिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि विभागाध्यक्ष डॉ. राज बोरिया के नेतृत्व में पुस्तकालय विज्ञान विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान में पीएचडी में 35 विद्यार्थी पंजीकृत हैं और पिछले तीन वर्षों में 22 विद्यार्थियों ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस वर्ष भी 5-6 विद्यार्थियों ने नेट में सफलता अर्जित की है। साथ ही, विभाग में विद्यार्थियों की संख्या एवं संसाधनों में लगातार वृद्धि हो रही है।

विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बालकृष्ण शर्मा ने अपने मुख्य अतिथि भाषण में

‘पुस्तक’ और ‘ग्रंथ’ के भारतीय संदर्भ पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत की श्रुति परंपरा से लेकर ताड़पत्र, भोजपत्र, कागज और आज के डिजिटल युग तक पुस्तक का स्वरूप बदलता रहा है, लेकिन उसका महत्व सदैव अमूल्य रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे पुस्तकों का सम्मान करें, क्योंकि जो व्यक्ति पुस्तक के आगे झुकता है, उसे जीवन में किसी और के आगे झुकना नहीं पड़ता। साथ ही कहा कि आज पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के साथ अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस भी हैं। पुस्तक परम आदरणीय ग्रंथ है पुस्तक

के प्रति हमेशा हमारे मन में आदर की भावना की कमी नहीं होनी चाहिए तभी हम पुस्तकालयों की रक्षा कर पाएंगे। विक्रम विश्वविद्यालय के प्रो. भारद्वाज ने कहा कि डिजिटल संसाधनों के विस्तार के बावजूद मुद्रित पुस्तकें पाठकों के साथ जीवंत संवाद स्थापित करती हैं। उन्होंने कवि शफ़दर हाशमी की कविता ‘किताबें करती हैं बातें’ का उल्लेख करते हुए कहा कि पुस्तकें केवल सूचनाओं का भंडार नहीं, बल्कि अनुभव और भावनाओं की संवाहक भी हैं। कार्यक्रम के दौरान विभाग से हाल ही में जेआरएफ के लिए चयनित विद्यार्थियों अनिल कुमार, कविता गौर, राधेश्याम परमार, वंदना एवं सुभाष वात्सल्य का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. राज बोरिया ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को पुस्तकालय और पठन संस्कृति से निरंतर जोड़े रखेंगे।

## परशुराम कल्याण बोर्ड में नियुक्तियां



सागर। परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष विष्णु राजोरिया एवं सभागीय प्रभारी संजीव दुबे की सहमति से सागर प्रभारी मधुसूदन खेमरिया ने सागर जिले में परशुराम कल्याण बोर्ड में नियुक्तियां कीं। राजेश पाराशर को जिला सह प्रभारी, विपिन दुबे को जिला प्रचार प्रमुख, कल्पना दुबे को नगर धर्म प्रसार प्रमुख, राजेश दुबे नगर प्रभारी सागर, रजनी पाठक नगर मातृशक्ति प्रमुख, पवन तिवारी सागर तहसील प्रभारी, एवं जिला कार्यकारिणी में मुरारी गोस्वामी बीना, अनुराग भारद्वाज एवं मनीषा विनय मिश्रा को जिला कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया है।

## दुकानों और भोजनालय से लिए नमूने



**गंजबासौदा।** खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा शहर में किराना दुकान और होटलों से खाद्य सामग्री की जांचकर नमूने लिए गए। कलेक्टर द्वारा मीटिंग में दिए गए निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी विदेशा निरीक्षण दल द्वारा शहर में होटलों से जलेबी समोसा तथा किराना दुकान से तोप एवं घी के नमूने, बरेंट रोड स्थित किराना दुकान से मैदा सूजी मेथी दाना,तेल,अचार मसाला के नमूने लिए गए तथानई कृषि मंडी के पास स्थित भोजनालय से नमक दाल आटा,छोला चना, के नमूने जांच हेतु लिए गए। सभी नमूने परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। निरीक्षण कार्यवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप वर्मा एवं किरण श्रीवास्तव द्वारा की गई।

## अहिल्या देवी के आदर्श आज भी समाज के लिए मार्गदर्शन का दीपक



**बुरहानपुर।** लोक माता अहिल्या देवी मंडल द्वारा अहिल्या माता की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर तिरंगा यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होकर निकली और कमल टॉकीज तिराहे पर सम्पन्न हुई। मंडल अध्यक्ष अमोल भगत ने कहा कि अहिल्या देवी की पुण्यतिथि केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को वर्तमान युग में जीवंत करने का संकल्प है। उन्होंने बताया कि अहिल्या बाई होल्कर नारी शक्ति, धार्मिकता और समाज सेवा का प्रतीक थीं, जिन्होंने मराठा साम्राज्य में ईंदौर रियासत का कुशल संचालन कर अनेक धर्मस्थलों का पुर्ननिर्माण कराया। मंडल सदस्य गजेन्द्र पाटिल ने कहा कि यह आयोजन महिला सशक्तिकरण, सामाजिक योगदान और धार्मिक एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। रैली में पूर्व महापौर अनिल भोसले, तिरंगा यात्रा के मंडल प्रभारी विपुल कानूगे, गजेन्द्र पाटील, पार्षद भरत मराठे, नितेश दलाल, राजा इंगले, राजेश महाजन, अमित नवलखे, अमित वारुडे, विनोद सुगंधी, राजा जगाले, हीरालाल बडगुजर, कुलदीप शर्मा, चरण पासी, हिदायत उल्ल सहित मंडल के सभी सदस्य शामिल हुए

## जनपद पंचायत क्लर्क को रिश्तत लेते पकड़ा

**छतरपुर।** जनपद पंचायत के क्लर्क को लोकायुक्त की टीम ने रिश्तत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा है। जानकारी के अनुसार राहुल लोधी नाम के युवक की शिकायत पर छतरपुर जिला की बड़ामलहरा जनपद पंचायत कार्यालय में पदस्थ लिपिक मुकेश वर्मा को सागर लोकायुक्त की टीम ने पकड़ा है। शिकायतकर्ता राहुल के मुताबिक उसने संबल योजना की राशि के लिए आवेदन किया था। संबल योजना की राशि 2 लाख रुपये दिलाने के एवज में लिपिक मुकेश वर्मा ने उससे 20 हजार रुपये रिश्तत की मांग की और रिश्तत न दिए जाने पर उसके आवेदन को अटका रखा था। फरियादी राहुल लोधी ने रिश्ततखोर क्लर्क मुकेश वर्मा की शिकायत लोकायुक्त कार्यालय सागर में की थी। लोकायुक्त टीम ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर रिश्तत की कविता ‘किताबें करती हैं बातें’ का उल्लेख करते हुए कहा कि पुस्तकें केवल सूचनाओं का भंडार नहीं, बल्कि अनुभव और भावनाओं की संवाहक भी हैं। कार्यक्रम के दौरान विभाग से हाल ही में जेआरएफ के लिए चयनित विद्यार्थियों अनिल कुमार, कविता गौर, राधेश्याम परमार, वंदना एवं सुभाष वात्सल्य का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. राज बोरिया ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को पुस्तकालय और पठन संस्कृति से निरंतर जोड़े रखेंगे।

| पश्चिम मध्य रेल                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| शुद्धिपत्र संख्या 32/2025                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| निविदा सं. 81255293 जिसके खुलने की तिथि 14/08/2025 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/88/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं- <b>Tender No. &amp; Short Description</b> -81255293 <b>Description:</b> थिक वेव स्विच। <b>Tender Opening date</b> -From-14/08/2025 To-25/08/2025. अद्वतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट <a href="https://www.ireps.gov.in">https://www.ireps.gov.in</a> देखें। (हस्ता. ) |
| कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पम्परे/जबलपुर                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| रख्छ भारत अभियान, एक कदम र्छछता की ओर                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा. सूचना क्रमां 39/2025-26/लेखा/का.यं./लो.स्वा.यां.खंड/राजगढ़/दिनांक 8/8/25

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट <https://mptenders.gov.in/nicgep/app> पर आमंत्रित की गई है। राजगढ़ जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड एवं उपखण्ड राजगढ़, खिलचीपुर, नरसिंहगढ़ में आउट सोर्स पर कुल 05 कम्प्यूटर आपरैटर रखने की निविदा निम्नानुसार आमंत्रित है।

| निविदा क्र दिनांक     | सिस्टम क्रमांक           | विकास खण्ड                  | ग्राम का नाम                                                                                                                                 | निविदा की कुल लागत रू. लाख में | धरोहर राशि रू. में | निविदा प्रपत्र का मूल्य | समयावधि  | रि मा क |
|-----------------------|--------------------------|-----------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------|--------------------|-------------------------|----------|---------|
| 39/25-26 दि. 08.08.25 | 2025_P HED_4 43468_pack1 | राजगढ़ खिलची पुर एवं जीोपुर | राजगढ़ जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड एवं उपखण्ड राजगढ़, खिलचीपुर, नरसिंहगढ़ में आउट सोर्स पर कुल 05 कम्प्यूटर आपरैटर रखने की निविदा। | 11.49 लाख                      | 22980.00           | 2000.00                 | 365 दिवस |         |

ऑनलाइन निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि - 20.08.2025  
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि - 22.08.2025

G-17177/25

कार्यपालन यंत्री  
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड  
राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

## रीवा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का मामला, कुछ मरीजों को आई चोट

## 150 करोड़ से बने अस्पताल की सीलिंग गिरी

रीवा। दोपहर मेट्रो

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के तीसरे फ्लोर के न्यूरो सर्जरी डिपार्टमेंट के वार्ड में फाल सीलिंग अचानक भरभराकर गिर गई। जिस वक्त घटना हुई तब वार्ड में मरीज भर्ती थे और उनके परिजन भी मौजूद थे। बता दें कि अस्पताल अभी 4 साल पहले ही 150 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है। घटना से पूरे वार्ड में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। सीलिंग गिरने से कुछ मरीजों को चोटें आई हैं।

अस्पताल के न्यूरोलाजी विभाग में रात को मरीज वार्ड में आराम कर रहे थे। तड़के करीब पौने चार बजे के आसपास अचानक छत की फाल स्लिंग के टूटने की आवाज आई। उस समय कुछ मरीज जाग रहे थे। कुछ समझ पाते



उससे पहले ही पूरी फाल सीलिंग भरभराकर गिर गई। सीलिंग गिरते ही वार्ड में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मरीजों को तत्काल परिजन सुरक्षित स्थान पर ले आए। इनमें कुछ मरीजों की हालत खराब थी जिनको तत्काल दूसरे वार्डों में शिफ्ट किया गया। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय वार्ड में मरीज और अटेंडर

मिलाकर करीब 50 की संख्या में लोग थे। फाल सीलिंग गिरने से चार मरीजों को चोटें आई हैं। जिनका वार्ड में ही प्राथमिक उपचार किया गया। इस घटना से वार्ड में भर्ती मरीज और अटेंडर दहशत में रहे। वार्ड में चिकित्सकीय उपकरणों को भी नुकसान हुआ है। घटना क्यों हुई इसकी जांच की जा रही है।



भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप के लिए पहला इंग्लैंड दौरा रहा सहज- बोले-

# गौतम भाई हमेशा मुझसे कहते हैं, तुम्हें अपनी प्रतिभा का अहसास नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप ने कहा कि उनका पहला इंग्लैंड दौरा काफी सहज रहा जहां एक कोच ने खुद से ज्यादा उन पर विश्वास किया, एक कप्तान ने मुश्किल समय में साथ दिया और माहौल घर जैसा था, जबकि परिस्थितियां विदेशी मैदान से ज्यादा घरेलू मैदान जैसी थीं। आकाशदीप ने एक मैच में 10 विकेट और दूसरे में अर्धशतक लगाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे वह रातों-रात स्टार बन गए लेकिन वह यह नहीं भूल सकते कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में 66 रन बनाने के बाद उनसे क्या कहा था।

इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, गौतम भाई ने मुझसे कहा, तुमको खुद पता नहीं तुम क्या कर सकते हो। देखो, मैं तुमसे कह रहा था कि तुम यह कर सकते हो। तुम्हें हमेशा इसी समर्पण के साथ खेलना होगा। उन्होंने कहा, गौतम भाई बहुत ही जुनूनी कोच हैं। वह हमेशा हमें प्रेरित करते हैं। वह मेरी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों



पर मुझसे भी ज्यादा विश्वास करते हैं। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने और अब शुभमन गिल के नेतृत्व में खेलने के बाद बंगाल के इस तेज गेंदबाज के लिए सामंजस्य बिठाना आसान रहा है। उन्होंने कहा कि नया कप्तान शांत स्वभाव का है लेकिन मैदान पर उनके पास कई तरह के आईडिया होते हैं। उन्होंने कहा, वह बहुत अच्छे कप्तान हैं। ऐसा नहीं है कि वह नए कप्तान हैं। वह पिछले कुछ वर्षों से आईपीएल में कप्तानी कर

रहे हैं, जो एक बड़ा मंच है। यह अनुभव काफी मायने रखता है। जब एक कप्तान आपका समर्थन करता है और चीजों को अच्छी तरह समझता है तो इससे बहुत फर्क पड़ता है। आकाश दीप ने कहा, मैंने पिछले साल उनकी कप्तानी में दलीप ट्रॉफी खेली थी। वह एक शांत प्रकृति के खिलाड़ी हैं और उनके पास ढेर सारे आईडिया होते हैं। जब कोई शांत रहता है, तो इससे मैदान पर अच्छे फैसले लेने में मदद मिलती है।आकाशदीप का यह इंग्लैंड का पहला दौर था लेकिन उन्हें अधिकतर समय लगा कि वे उपमहाद्वीपीय पिचों पर खेल रहे हैं, जहां तेज गेंदबाजों के लिए बहुत कम मूवमेंट होता है।

## इंग्लैंड की पिचों में गेंदे नहीं कर रही थी खिंग

उन्होंने कहा, इंग्लैंड में हमने जो पांच टेस्ट मैच खेले, उनमें से चार में पिचें उन आम इंग्लिश विकेटों जैसी नहीं थीं जिनके बारे में हम वर्षों से सुनते या देखते आए हैं। गेंद कई बार ज्यादा सीम या खिंग नहीं कर रही थी और हमें भारतीय लेंथ के हिसाब से, फुल लेंथ पर गेंद डालनी थी। हमें यह सामंजस्य बिठाना पड़ा। अगर आपने काफी क्रिकेट खेली है तो फिर सामंजस्य से बिठाने में परेशानी नहीं होती। इस तेज गेंदबाज ने कहा, अभ्यास सत्र मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं हमेशा मुख्य विपक्षी बल्लेबाज के बारे में सोचने की कोशिश करता हूं, जिसे मुझे गेंदबाजी करनी है।अपनी फिटनेस के बारे में आकाशदीप ने कहा, मैदान पर लगने वाली चोटों से बचा नहीं जा सकता।

अगर आपको बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगानी पड़े, तो आपको ऐसा करना ही होगा। आप यह नहीं सोच सकते कि मेरा कंधा वगैरह चोटिल हो जाएगा। हां, अगर यह फिटनेस और ट्रेनिंग से जुड़ी चोटें हैं, तो हमारा लक्ष्य उन्हें जितना हो सके कम से कम रखना होता है। आकाशदीप ने अब तक 10 टेस्ट मैच खेले हैं और 28 विकेट लिए हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें सिर्फ खेल के लंबे प्रारूप के लिए ही चुना गया है, तो उन्होंने कहा कि उन्हें अभी तक कुछ खास नहीं बताया गया है। उन्होंने कहा, हम चयनकर्ताओं से यूं ही बात नहीं कर सकते। वे अनुभवी लोग हैं और जब उन्हें लगेगा कि किसी भी प्रारूप में उन्हें मेरी ज़रूरत है, तो वे मुझे बुला लेंगे।

## क्रिस गेल अब भी नंबर-1 बल्लेबाज

# कोहली टी-20 में टॉप-5 बैटर की लिस्ट से बाहर, रोहित शर्मा टॉप 10 में बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के विराट कोहली को पीछे कर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में नंबर-5 पर पहुंच गए। उन्होंने मंगलवार को इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में फिफ्टी लगाई और कोहली को पीछे किया। वॉर्नर के नंबर-5 पर पहुंचने के साथ टॉप-5 रन स्कोरर में अब कोई भी भारतीय बाकी नहीं रहा। विराट के अलावा केवल रोहित शर्मा ही टॉप-10 रन स्कोरर में शामिल भारतीय बैटर हैं। दोनों ही प्लेयर्स ने इंटरनेशनल टी-20 से संन्यास ले लिया है, ऐसे में सिर्फ कदख खेलकर दोनों का इस रिकॉर्ड लिस्ट में आगे निकलना बहुत मुश्किल लग रहा है।

वेस्टइंडीज के विस्फोटक क्रिस गेल के नाम अब भी टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। इनमें इंटरनेशनल, और दुनियाभर की ए-ग्रेड लीग के रन शामिल हैं। गेल टी-20 में 22 शतक लगाने वाले भी दुनिया के इकलौते बैटर हैं। उन्होंने अब टॉप लेवल टी-20 क्रिकेट खेलना बंद कर दिया है। इसलिए उनके 14,562 रन के आंकड़े को कोई नया बैटर तोड़ सकता है। हालांकि, उनके 22 सेंचुरी के आंकड़े को तोड़ना बहुत मुश्किल है।



## कायरन पोलाई: शतक कम, फिफ्टी ज्यादा

वेस्टइंडीज के ही विस्फोटक फिनिशर कायरन पोलाई टॉप रन स्कोरर में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंटरनेशनल और कदख से तो संन्यास ले लिया है, लेकिन वे अब भी अमेरिका और साउथ अफ्रीका की लीग खेल रहे हैं। इसलिए वे भी गेल के रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। फिनिशर की पोजिशन निभाने के कारण पोलाई के नाम शतक तो 1 ही है, लेकिन फिफ्टी 63 हैं। इतना ही नहीं, टॉप-5 रन स्कोरर में उनका स्ट्राइक रेट भी बेस्ट है।

## एलेक्स हेल्स: दुनियाभर की लीग खेलते हैं

इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन लीग क्रिकेट खेल रहे हैं। वे 13,814 रन बना चुके हैं और जल्द ही 15 हजार रन का आंकड़ा भी पार कर सकते हैं। वे फिलहाल इंग्लैंड के ही फंचाइजी टूर्नामेंट द हंड्रेड का हिस्सा हैं। उनके नाम 7 सेंचुरी और 87 फिफ्टी हैं।

## डेविड वॉर्नर : 100 प्लस फिफ्टी लगा चुके

ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर ने मंगलवार को ही टॉप-5 रन स्कोरर में एंट्री की। उन्होंने द हंड्रेड लीग में फिफ्टी लगाई और विराट कोहली को पीछे छोड़ा। अब वॉर्नर के विराट से 2 रन ज्यादा हो गए। उनके नाम इस फॉर्मेट में 8 सेंचुरी के साथ 113 फिफ्टी भी हैं। कदख में तो वॉर्नर अब नहीं खेलते, लेकिन दुनिया की बाकी लीग का हिस्सा जरूर बनते हैं। ऐसे में उनके पास भी गेल से आगे निकलने का मौका है।

## विराट कोहली : भारत के टॉप रन स्कोरर

टी-20 में भारत के टॉप रन स्कोरर विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में इस फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वे अब सिर्फ कदख खेलते हैं, जो साल में एक बार ही होता है। कोहली के नाम फिलहाल 13543 रन हैं, वे अगले सीजन में 14 हजार टी-20 रन के आंकड़े को पूरा कर सकते हैं। हालांकि, उनका नंबर-1 पर पहुंचना बहुत मुश्किल है। कोहली गेल को तो पीछे छोड़ सकते हैं, लेकिन बाकी खिलाड़ियों के मैचों की संख्या को देखते हुए कोहली का नंबर-1 पर पहुंचना मुश्किल है। विराट ने अब तक 3 टीमों से ही टी-20 क्रिकेट खेला है, भारत, दिल्ली और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु। 2 टीमों से तो वे अब टी-20 नहीं खेलते।

## बटलर के पास टॉप पर आने का मौका

टॉप-10 रन स्कोरर में बाकी 4 प्लेयर्स इंग्लैंड के जोस बटलर, जेम्स वॉस, भारत के रोहित शर्मा और साउथ अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस हैं। बटलर को छोड़कर बाकी तीनों प्लेयर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और गिनती की लीग में ही हिस्सा लेते हैं। बटलर अभी 34 साल के ही हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ दुनियाभर की लीग भी खेलते हैं। वे फिलहाल 13,123 रन बनाकर 7वें नंबर पर हैं, लेकिन जल्द ही टॉप-5 में एंट्री कर सकते हैं। इतना ही नहीं, अगर वे 2-3 साल इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते रहे तो नंबर-1 पर भी पहुंच सकते हैं।

## मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

नवोदित कलाकारों को प्रोत्साहित करने में हमेशा आगे रहने वाली ईशा कोप्पिकर ने एक बार फिर युवा प्रतिभाओं के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। अभिनेत्री, जो नए और उभरते टैलेंट को बढ़ावा देने की पुरजोर समर्थक रही हैं, उन्होंने एक बार फिर सुभाष घई के प्रतिष्ठित संस्थान व्हिसलिंग बुड्स इंटरनेशनल अकेडमी में फिल्म निर्माण के छात्रों को अपना प्यार और समर्थन देकर यह सिद्ध किया है। यह प्रतिभाशाली अभिनेत्री छात्रों के डिप्लोमा प्रोजेक्ट रॉकेटशिप में अभिनय कर उन्हें अपनी अनुभवपूर्ण उपस्थिति और स्टार पॉवर के जरिए सहयोग प्रदान किया है, जिससे इन नवोदित फिल्मकारों की रचनात्मक दृष्टि को साकार करने में मदद मिली है। ईशा कहती हैं, जब छात्रों ने मुझसे संपर्क किया,



तो मैं इस प्रोजेक्ट में उनका साथ देने के लिए निःसंकोच तैयार हो गई। इन बच्चों में अपार क्षमता है, जो उस चक्क साफ नजर आई जब इन्होंने मुझे अपनी कहानी और स्क्रिप्ट सुनाई। मैं इन बच्चों से खुद को जोड़ पाती हूं क्योंकि इन्होंने भी सब कुछ जीरो से शुरू किया है, ठीक वैसे ही जैसे मैंने किया था। मेरे पास इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर नहीं था। इसलिए जब मैं इन्हें अपने सपनों की शुरुआत करते देखती हूं, तो वो मेरे लिए प्रेरणादायक और संतोषजनक अनुभव होता है। रॉकेटशिप का पहला पोस्टर जारी हो गया है। जो यह दर्शाता है कि यह फिल्म एक भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली कहानी पेश करेगी जैसी दर्शकों ने पहले शायद ही कभी देखी हो। फिल्म में मां-बेटी के रिश्ते को केंद्र में रखा गया है, और ईशा कोप्पिकर का किरदार विशेष रूप से दर्शकों की भावनाओं को झकझोरने के लिए गढ़ा गया है।

## फिल्म ओम, जिसे 500 बार किया गया रिलीज

इस समय हर तरफ सैराला और महावतार नरसिम्हा की चर्चा हो रही है, जो न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही हैं, बल्कि अपने बजट से कई गुना अधिक कमा चुकी हैं। भारतीय सिनेमा के इतिहास में ऐसी कई फिल्में रही हैं, जिन्होंने अपने बजट से पांच गुना या दस गुना अधिक कमाई की और हर किसी के होश उड़ा दिए। वहीं, कुछ ऐसी फिल्में रही, जिन्हें वक्त के साथ वलासिक और कलट होने का दर्जा मिला।



यहां आपको ऐसी ही एक फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे 550 बार री-रिलीज किया गया। इस कारण इस फिल्म का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। यही नहीं, इस फिल्म को हिंदी में भी बनाया गया। उसमें सनी देओल लीड रोल में थे, और तो और इसने बजट से 7 गुना अधिक यानी 700 तब अधिक कमाई की थी। यह एक क्राइम ड्रामा थी, जिसमें कन्नड़ स्टार शिव राज कुमार और प्रेमा लीड रोल में थे। फिल्म में एक गैंगस्टर की ज़िंदगी की कहानी दिखाई गई थी, जो जुर्म और बुरे काम छोड़कर सामान्य ज़िंदगी जीने लगता है। यह फिल्म इतनी सुपरहिट रही कि इसे हिंदी के अलावा तेलुगू में भी रीमेक किया गया।

## बजट से 7 गुना अधिक की थी कमाई, लिम्का बुक में दर्ज है नाम

## अंडरवर्ल्ड पर बनी कन्नड़ सिनेमा की पहली फिल्म

इस फिल्म का नाम है ओम, जो साल 1995 में रिलीज हुई थी। यह कन्नड़ सिनेमा की पहली फिल्म थी, जो अंडरवर्ल्ड की दुनिया पर बनी थी। यही नहीं, इसे कन्नड़ सिनेमा के इतिहास की सबसे ज्यादा स्क्रीन की जाने वाली फिल्म भी बताया जाता है। इसे हर दो हफ्ते में दोबारा रिलीज किया जाता था।

## बजट से 7 गुना अधिक कमाई, 550 बार री-रिलीज, लिम्का बुक में नाम

ओम का बजट 70-75 लाख रुपये बताया जाता है, पर रिपोर्टरों के मुताबिक, इसने तब 5 करोड़ रुपये कमाए थे। यानी इसने बजट से 700 तब अधिक (करीब 7 गुना अधिक) कमाई की थी। इस फिल्म को इस कदर पसंद किया गया कि हर दो हफ्ते बाद इसे थिएटरों में फिर से रिलीज किया जाता है। ओम को कुल 550 बार री-रिलीज किया गया, जिसके कारण इस फिल्म का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है।



## मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । एडवायजरी फर्म पीडब्ल्यूसी इंडिया ने घोषणा की कि वह 2030 तक भारत में 20,000 एडिशनल जॉब्स लाने की योजना बना रही है। पीडब्ल्यूसी इंडिया ने एक रिलीज में कहा कि कंपनी अगले पांच वर्षों में टियर-2 और टियर-3 शहरों में विस्तार कर और डिजिटल परिवर्तन, सरटोनेबिलिटी, जोखिम एवं नियामक, कलाउड और साइबर सिक्योरिटी पर ध्यान

## पीडब्ल्यूसी इंडिया का लक्ष्य 2030 तक 20,000 नए रोजगार के अवसर पेश करना

केन्द्रित कर राजस्व में तीन गुना वृद्धि का लक्ष्य रखती है। चार बड़ी कंपनियां सालाना अपने राजस्व का 5 प्रतिशत टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और क्षमता निर्माण में और 1 प्रतिशत राजस्व लोगों और भागीदारों के कौशल विकास पर खर्च करेंगी। पीडब्ल्यूसी इंडिया ने कहा कि वह एक ट्रेडिशनल सर्विस फर्म से एक मॉडर्न, विवरण-केन्द्रित मॉडल के रूप में विकसित हो रही है, जो क्षेत्र की विशेषज्ञता और जेनएआई जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी जैसे जेनएआई

द्वारा संचालित है। पीडब्ल्यूसी इंडिया के अध्यक्ष संजीव कृष्ण ने कहा, «हम सीखने की पहुंच बढ़ाकर, नेतृत्व में महिलाओं को प्राथमिकता देकर, और समावेशी विकास यात्राएं बनाकर पस्यूर-रेडी वर्कफोर्स का निर्माण करने पर केन्द्रित हैं, जो हमारे लोगों को कैपस से लेकर बोर्डरूम तक फलने-फूलने में सक्षम बनाती हैं।कंपनी ने कहा कि पीडब्ल्यूसी ने अपनी विकास रणनीति को फाइनैशियल सर्विस सहित छह क्षेत्रों पर केन्द्रित किया है।

## टाटा मोटर्स ने अब डोमिनिकन रिपब्लिक के बाजार में कदम रखा

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने बुधवार को ऐलान किया कि उसने देश में अपने अधिकृत वितरक इकिमेक्स के साथ साझेदारी के माध्यम से केरिबियन देश डोमिनिकन रिपब्लिक के बाजार में प्रवेश किया है। कंपनी ने बताया कि यह कदम टाटा मोटर्स की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है और इसका उद्देश्य क्षेत्र की लॉजिस्टिक्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर और अंतिम-मील डिलीवरी आवश्यकताओं के अनुरूप वाणिज्यिक वाहनों की एक सीरीज पेश करना है। कंपनी ने कई मॉडल लॉन्च किए हैं, जिनमें अंतिम-मील डिलीवरी के लिए टाटा सुपर ऐस, भारी-भरकम यूटिलिटी कार्यों के लिए टाटा जेनॉन पिकअप, स्मार्ट अर्बन लॉजिस्टिक्स के लिए ट्रकों की अल्ट्रा श्रृंखला (टी.6, टी.7, टी.9) और कंस्ट्रक्शन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर



प्रोजेक्ट्स के लिए डिजाइन किया गया एसपीटी 613 टिपर शामिल हैं। ये वाहन मजबूत प्रदर्शन, टिकाऊपन और कम रखरखाव लागत प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। ये ऐसे फीचर्स हैं जिन्होंने टाटा मोटर्स को एक विश्वस्तरीय ऑटोमोबाइल कंपनी बनाया है। सैंटो डोमिंगो में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में, टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रमुख, आसिफ शमीम ने कहा कि डोमिनिकन रिपब्लिक एक आशाजनक बाजार है जहां अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और इन्फ्रास्ट्रक्चर की भी आवश्यकता है। शमीम ने कहा, डोमिनिकन रिपब्लिक एक उच्च-संभावना वाला बाजार है जो टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स की वैश्विक विकास महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप है।





दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित राजीव नगर सेमरा में नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसने पति से मार्केट चलने का कहा था। पति काम पर चला गया। मंगलवार शाम को उसने पति को कॉल किया और कहा कि यदि लेकर नहीं चले तो आत्महत्या कर लूंगी। पति घर पहुंचा तो पत्नी फांसी के फंदे पर लटकी मिली। वह पत्नी को फंदे से उतारकर हमीदिया अस्पताल ले गया। वहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार मोनिका पति सोनू ( 19 ) मूलतः शमशाबाद, जिला विदिशा की रहने वाली थी। उसकी शादी गत वर्ष ही सोनू से हुई थी। सोनू और मोनिका राजीव नगर सेमरा में किराए के मकान में रहते थे। सोनू ने पुलिस को बताया कि वह प्राइवेट काम करता है। मंगलवार शाम मोनिका ने उसे मार्केट चलने की जिद की थी। सोनू ने कहा कि वह काम पर जाकर लौटकर मार्केट ले चलेगा। शाम करीब 7 बजे तक सोनू काम से घर नहीं लौटा तो मोनिका ने उसे कॉल किया और कहा कि यदि मुझे मार्केट लेकर नहीं चले तो मैं फांसी लगा लूंगी। डर के कारण सोनू तत्काल घर पहुंचा। इस दौरान मोनिका फांसी लगा चुकी थी। उसने किसी तरह मोनिका को फंदे से उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचा। अस्पताल में बुधवार सुबह इलाज के दौरान मोनिका की मौत हो गई। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को सौंपी गई है।

## पत्नी के मायके से नहीं लौटने से दुखी पति ने लगाई फांसी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित न्यू जेल रोड पलासी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि वर्ष तीन साल से उसकी पत्नी मायके में अलग रह रही थी। अनुमान है कि इसी बात से दुखी होकर उसने आत्महत्या की है। पुलिस ने बताया कि सोहन सिंह सिसोदिया पिता हरिसिंह सिसोदिया ( 30 ) मकान नंबर-50, न्यूज जेल रोड पलासी थाना निशातपुरा में रहता था और मोबाइल सिम पोर्ट करने का काम करता था। सोहन की वर्ष 2019 में खजूरी कलां अवधपुरी में रहने वाली युवती से शादी हुई थी। शादी के बाद कुछ दिन वह साथ रही फिर मायके चली गई। करीब तीन साल हो गए पर वह मायके से ससुराल नहीं लौटी। सोहन ज़िद पर अड़ा था कि वह उसे लेने नहीं जाएगा। इधर परिजन बहू को लेने जा चुके थे, लेकिन उसने चलने से मना कर दिया।

### रात में साथ खाया खाना

मंगलवार शाम काम से लौटने के बाद सोहन सिंह ने परिवार के साथ खाना खाया और अपने कमरे में जाकर सो गया था। सुबह करीब आठ बजे परिजन उसके कमरे में पहुंचे तो सोहन का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल का निरीक्षण करने पर सुसाइड नोट नहीं मिला है।

# दसवीं के छात्र ने इंस्टाग्राम पर मैसेज कर लगाई फांसी भाई तुम शादी कर लेना, मैं डांस करने आउंगा...

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित आशींवाद कॉलोनी में दसवीं कक्षा के छात्र ने मंगलवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से उसने अपने ताऊ के बेटे को इंस्टाग्राम पर मैसेज भी किया था। मैसेज में उसने बार-बार सॉरी लिखा और लिखा मैं जिंदगी से हार चुका हूं। भाई तुम शादी कर लेना मैं तुम्हारी शादी में डांस करने आउंगा। जिंदगी में बस एक ही उम्मीद थी कि आईफोन मिलेगा पर वह भी नहीं मिला। अनुमान है कि वह आईफोन लेना चाहता था और आईफोन नहीं मिलने से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है।

एसआई कमल सिंह चौहान ने बताया कि आदर्श धाकड़ पिता वैधनाथ धाकड़ ( 15 ) गहल गांव, थाना देवरी, जिला रायसेन का था। वह तीन साल से आशींवाद कॉलोनी में राधेश्याम शर्मा के मकान में किराए से रह रहा था और मदर टैरसा स्कूल में कक्षा दसवीं में पढ़ रहा था। उसके साथ उसका ताऊ का बेटा गोलू धाकड़ और एक अन्य भाई रह रहा था। आदर्श अभी रक्षा बंधन में गोलू के साथ गांव से लौट आया, जबकि एक अन्य भाई गांव में ही है। गोलू का सीआईएसएफ का पेपर निकल चुका है। गोलू मंगलवार सुबह शारीरिक दक्षता की तैयारी करने ग्राउंड गया था। इसी बीच आदर्श का इंस्टाग्राम पर मैसेज आया। मैसेज कुछ इस तरह था कि बार-बार सॉरी लिखा था। इसके अलावा लिखा था कि मैं जिंदगी से हार चुका हूं। भाई तुम शादी कर लेना। मैं तुम्हारी शादी में डांस करने आउंगा। गोलू ने आदर्श को कॉल किया तो उसका मोबाइल बंद हो गया था। गोलू ने पड़ोसियों से घर जाकर देखने का कहा। पड़ोसी घर पहुंचे तो गोलू रस्सी का फंदा बनाकर फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। गोलू ने परिजन और पुलिस को सूचना दी।

## छात्र का टूटा हुआ मोबाइल मिला

# परेड में शामिल होंगी विभिन्न बलों की 18 टुकड़ियां स्वतंत्रता दिवस परेड की तैयारी, फुल ड्रेस रिहर्सल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भारतीय स्वाधीनता की 78वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह मुख्यमंत्री मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 15 अगस्त को लाल परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की मौजूदगी में स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस परेड एवं फाइनल रिहर्सल यहां लाल परेड ग्राउंड में हुई।

पुलिस महानिदेशक समेत अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चंचल शेखर, पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्रा, डिप्टी कमिश्नर भोपाल किरण गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। फुल ड्रेस परेड के फाइनल अभ्यास के दौरान 23वीं बटालियन के सहायक उप निरीक्षक हेरा लाल यादव ने प्रतीक स्वरूप मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई और ध्वजारोहण, राष्ट्रीय ध्वन एवं परेड द्वारा सलामी के बाद परेड का निरीक्षण कर संदेश का वाचन किया। फाइनल अभ्यास परेड का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के सहायक पुलिस आयुक्त इंदौर आदित्य पटले ने

# राजीव प्रकाशन पर पुलिस की दबिश, संचालक पर प्रकरण दर्ज एनसीईआरटी के नाम से बेची जा रही 350 डुप्लीकेट किताबें बरामद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सुल्तानिया रोड पर मोती मस्जिद के पास राजीव प्रकाशन नामक किताबों की दुकान पर कोतवाली पुलिस ने मंगलवार दोपहर छापेमारी कर दी। सूचना मिली थी कि दुकान संचालक एनसीईआरटी के नाम से नवमीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा की डुप्लीकेट किताबें बेच रहा है। पुलिस ने दुकान से करीब 350 डुप्लीकेट किताबें बरामद की हैं। आरोपी दुकानदार के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।



पुलिस ने बताया कि एनसीईआरटी शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के अधीन एक संगठन है। उस संगठन ने प्रकाश वीर सिंह,

मुनींदर सिंह चौहान और जितेन्द्र परमार को पायरेटेड अथवा डुप्लीकेट किताबों की चैकिंग के लिए नियुक्त किया है। उक्त टीम को सूचना मिली कि कोतवाली थाना क्षेत्र में एनसीईआरटी की किताबों के पायरेटेड अथवा डुप्लीकेट संस्करण बेचे जा रहे हैं। इससे सरकार को भारी राजस्व की हानि हो रही है। सूचना मिलते ही संगठन की टीम ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने

मंगलवार दोपहर टीम के साथ राजीव प्रकाशन मोती मस्जिद के सामने सुल्तानिया रोड पर छापेमारी कर दी। पुलिस ने वहां से 49 प्रकार की कक्षा नवमीं से 12 वीं तक की करीब साढ़े तीन सौ डुप्लीकेट किताबें बरामद की हैं जो एनसीईआरटी के नाम से बेची जा रही थीं। पुलिस ने दुकान संचालक अमित खंडेलवाल ( 37 ) निवासी भावना काम्प्लेक्स कोतवाली रोड के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। बरामद किताबों की कीमत करीब 41 हजार रुपए बताई गई है।

## मेट्रो एंकर

ईटखेड़ी पुलिस ने दर्ज किया अमानत में खयानत का प्रकरण

# 9 लाख का चावल लेकर ट्रक सहित ड्राइवर फरार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

ईटखेड़ी के गोदाम से करीब 9 लाख रुपए का चावल लेकर गुजरात के लिए रवाना हुआ ट्रक चालक 15 दिन बाद भी नहीं पहुंचा। चालक पहले तो गाड़ी खराब होने का बहाना बनाता रहा लेकिन जब चावल भेजने वाली फर्म के संचालक ने उससे लोकेशन मांगी तो उसने अपना मोबाइल बंद कर लिया। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ अमानत में खयानत की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर ट्रक व आरोपी चालक की खोजबीन शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक माया एंक्लेव लांबाखेड़ा निवासी बृजकिशोर दांगी ( 45 ) ने शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि वह मां वैष्णो ट्रेडिंग कंपनी के नाम से फर्म संचालित करते हैं और सभी तरह के अनाज की खरीद-फरोख्त करते हैं। हीमन गुजरात के एक कारोबारी



फाइल फोटो

ने चावल सप्लाई का ऑर्डर दिया था। बृजमोहन ने विगत चावल सप्लाई के लिए गणेश रोडवेज ट्रांसपोर्ट मंडीदीप के संचालक देवेन्द्र तिवारी से संपर्क कर 140 रुपए प्रति क्विंटल का भाड़ा तय किया। देवेन्द्र तिवारी ने ट्रक क्रमांक एमपी 04 टीएम 7527 के मालिक तालिब और उसके ड्राइवर तेहसीम के बारे में जानकारी दी।

विगत एक अगस्त को फरियादी बृजमोहन दांगी ने ट्रांसपोर्टर देवेन्द्र से संपर्क कर पूछा कि गाड़ी कहां तक पहुंची। उसने बताया कि गुजरात बार्डर पर गाड़ी खराब हो गई है। इंजन में खराबी है लिहाजा वारंटी होने के कारण कंपनी वाले आकर ही रिपेयरिंग करेंगे। इसके बाद 4 अगस्त को फरियादी ने ड्राइवर तेहसीम से गाड़ी के बारे में पूछा। इस बार उसने बताया कि गाड़ी ठीक हो गई है। एक पार्ट्स कम पड़ रहा है। कल गाड़ी रवाना हो जाएगी। संदेह होने पर बृजमोहन दांगी ने गाड़ी की लोकेशन मांगी। लेकिन ड्राइवर तेहसीम ने लोकेशन नहीं भेजी। संदेह गहराने पर फरियादी ने कहा कि समय ज्यादा लग रहा है। इसलिए मेरा माल किसी दूसरे ट्रक में क्रासिंग करा दें। इस पर वह बोला कि ठीक है, इंदौर से दूसरा ट्रक बुलाकर माल क्रासिंग करवा देता हूं। इसके बाद 6 अगस्त से ड्राइवर तेहसीम का फोन लगातार बंद आ रहा है। बृजमोहन ने गुजरात के कारोबारी से फोन पर बात की तो उसने भी माल नहीं आने की बात बताई। फरियादी ने शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि आरोपी ड्राइवर तेहसीम ने 8 लाख 69 हजार 960 रुपए का उनका 310 क्विंटल 70 किलो चावल गुजरात न पहुंचाकर कहीं और जगह बेचकर हेराफेरी की है।

विगत 28 जुलाई को तेहसीम ट्रक लेकर पीटू होटल के पीछे बायपास रोड पर पहुंचा और अपने मजदूर अनीस वगैरह की मदद से ट्रक में 600 बोरे चावल लोड कर दिया। विगत 29 जुलाई को ट्रक व लोड माल का कांटा राजपूत धर्मकांटे पर कराया गया तो माल 310 क्विंटल

70 किलो निकला। इसका कुल भाड़ा 43 हजार 498 रुपए हुआ। फरियादी ने अग्रिम भाड़े के रूप में 30 हजार रुपए ट्रांसपोर्टर देवेन्द्र तिवारी को फोन-पे पर कर दिए। इस के बाद चावल से भरा ट्रक गुजरात जाने के लिए रवाना हो गया।